विश्वकर्मा फर्नीचर
मो. 98261-32636,90987-54366,98274-96911
सोफा, डीवान, कुर्सी, फास्ट, ड्रेसिंग टेबल, फार्मलिन टेबल सहित सभी प्रकार के फर्नीचरों के निर्माता एवं विक्रेता
सदर्भ बिस्तर, रेलवे क्वार्टरों के पास, पावर हाउस रोड, कोरबा
सही दाम निष्कलंक का प्रतीक

तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com

कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 36 अंक 51 | कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 22 नवंबर 2024 डाक 23 नवंबर 2024 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में के संजय मूर्ति को भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के रूप में शपथ दिलाई....

देश-विदेश

वाट्सएप ग्रुप हैक कर छात्राओं के साथ साइबर ठगी, 100 से अधिक लड़कियों को बनाया शिकार, आरोपी गिरफ्तार

फीचर पेज

कालभैरव जयंती व्रत से प्राप्त होते हैं सभी प्रकार के सुख

सुकमा में नक्सलियों से मुठभेड़ 10 नक्सली ढेर, हथियारों का जखीरा बरामद

सुकमा, 22 नवंबर [एजेंसी]।

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के कोन्टा के भेज्जी इलाके से एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच तड़के मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में 10 नक्सलियों के मारे जाने की जानकारी मिली है। साथ ही, जवानों ने मौके से तीन ऑटोमैटिक राइफल और अन्य हथियार भी बरामद किए हैं, जिससे इस ऑपरेशन की सफलता को और भी महत्व मिलता है।

जानकारी के मुताबिक, 22 नवंबर की तड़के डीआरजी (डिस्ट्रीक रिजर्व गार्ड) की एक टीम को यह सूचना मिली थी कि कुछ नक्सली ओडीशा से छत्तीसगढ़ में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे हैं। इस पर जवानों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नक्सलियों की घेराबंदी की और भेज्जी इलाके में उनकी तलाश शुरू कर दी। इस दौरान, नक्सलियों के साथ

मुठभेड़ हो गई, जिसमें सुरक्षा बलों ने 10 नक्सलियों को मार गिराया। मुठभेड़ के बाद, जवानों ने घटनास्थल से तीन ऑटोमैटिक राइफल सहित अन्य हथियार बरामद किए। ये हथियार नक्सलियों के द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले शक्तिशाली शस्त्र थे, जो इलाके में सुरक्षा की स्थिति को चुनौती देते हैं। हालांकि, इस मुठभेड़ की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं की गई है, लेकिन स्थानीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, यह ऑपरेशन बेहद महत्वपूर्ण है।

सुरक्षा बलों की ओर से इलाके में और भी खोजबीन जारी है, ताकि और नक्सलियों का पता चल सके और उनकी गतिविधियों पर काबू पाया जा सके।यह मुठभेड़ यह भी साबित करती है कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खिलाफ सुरक्षा बलों की कार्रवाई जारी है। पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के खिलाफ कई सफल ऑपरेशन किए हैं, जिससे राज्य में सुरक्षा की स्थिति में सुधार हुआ है। फिर भी, नक्सली अपनी गतिविधियों को जारी रखने की कोशिश कर रहे हैं, और ऐसे ऑपरेशनों की जरूरत है ताकि इन आतंकवादी समूहों को प्रभावी तरीके से नियंत्रित किया जा सके।

इमरान खान को सत्ता से हटाने में मुस्लिम देश का हाथ! पत्नी बुशरा बीबी ने किया बड़ा खुलासा

इस्लामाबाद, 22 नवंबर ।

पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी ने एक बड़ा खुलासा किया है। बुशरा ने एक वीडियो संदेश में आरोप लगाया कि इमरान खान को सत्ता से हटाने में सऊदी अरब ने बड़ी साजिश रची है। पाकिस्तान तारीक-ए-इंसाफ संस्थापक इमरान खान की पत्नी बुशरा ने कहा कि इमरान खान की मदीना में प्रतीकात्मक नंगे पैर यात्रा के बाद सऊदी अरब के अधिकारियों ने पाकिस्तान के पूर्व सेना अध्यक्ष जनरल कमर जावेद बाजवा से संपर्क कर खान की सत्ता पर चिंता जाहिर की थी। बुशरा बीबी ने आगे कहा कि सऊदी अधिकारियों ने इसके बाद बाजवा के सामने इमरान के सत्ता में रहने पर चिंता जताई और कहा कि ऐसे नेता को पीएम क्यों बनने दिया गया जो सरिया कानून की वापसी का प्रतीक हो।

रायपुर के पूर्व डीईओ पर 74 लाख की हेराफेरी करने का आरोप, एफआईआर दर्ज

रायपुर 22 नवंबर। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत स्कूलों को दी जाने वाली प्रतिपूर्ति राशि में 74 लाख रुपए की हेराफेरी के मामले में राज्य शासन ने रायपुर के पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) जी. आर. चन्द्राकर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। कई स्तर पर हुई जांच में राशि आबंटन में गड़बड़ी प्रमाणित होने के बाद शासन ने कार्रवाई करने निर्देशित किया है। बताते हैं कि कुछ स्कूल अस्तित्व में ही नहीं थे और लाखों रुपए जारी कर दिए गए। इसी तरह दो तीन स्कूल के बजाय व्यक्ति के निजी खाते में राशि जमा की गई। आरटीई की राशि में हेराफेरी को लेकर शिकायत हुई तो स्कूल शिक्षा विभाग ने अलग-अलग स्तर पर जांच कराई. इसके बाद पूरे मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ।

आरटीई की राशि में हेराफेरी की अलग-अलग स्तर पर जांच हुई। सभी में राशि में हेराफेरी प्रमाणित हुई और पूर्व डीईओ दोषी पाए गए। पहली जांच तत्कालीन संभागीय संयुक्त संचालक एस. के. भारद्वाज ने की। जांच में पाया गया कि जिन लोगों के खाते में रकम भेजी गई, उनमें से कुछ स्कूल काफी समय से बंद थे। वहीं कुछ स्कूलों के नाम पर व्यक्ति के निजी खाते में लाखों रुपए जमा किए गए। एक जांच जिला शिक्षा कार्यालय की ओर से कर संचालनालय को रिपोर्ट भेजी गई. इसमें बताया गया कि किस तरह जानबूझकर राशि दूसरों के खाते में अंतरित कराई गई। तीसरी जांच समग्र शिक्षा के पूर्व संयुक्त संचालक संजीव श्रीवास्तव ने जांच की। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में आरटीई राशि के आबंटन में गड़बड़ी होने का जिक्र किया।

दिल्ली चुनाव के लिए केजरीवाल का मास्टर प्लान

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के संयोजक व दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए रेवड़ी पर चर्चा कैंपेन लॉन्च करेंगे। आम आदमी पार्टी के नेता व कार्यकर्ता पूरी दिल्ली में रेवड़ी पर चर्चा करेंगे। आम आदमी पार्टी (आप) ने अगले साल फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को 11 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची घोषित कर दी। आप ने चुनाव के लिए जारी की पहली सूची में कांग्रेस और भाजपा छोड़कर आए नामों को प्राथमिकता दी है। 11 में से छह सीटों पर दूसरे दलों से आए प्रत्याशी घोषित किए हैं। वहीं, आप ने तीन सीटों पर अपने वर्तमान विधायकों के टिकट काट दिए हैं। इसमें किराड़ी से ऋतुराज झा, सीलमपुर से अब्दुल रहमान और मटियाला से गुलाब सिंह शामिल हैं।

कार सवार 5 लोगों की मौत, एक गलत फैसला पड़ गया भारी...

उदयपुर, 22 नवंबर [एजेंसी]।

राजस्थान के उदयपुर जिले में देर रात भीषण सड़क हादसा हो गया। जिसमें कार सवार पांच लोगों की मौत हो गई है। उदयपुर जिले के सुखेर थाना क्षेत्र के अंबेरी में कल रात को एक बड़ा हादसा हुआ, जिसमें पांच युवकों की जान चली गई। यह हादसा रात करीब 12 बजे हुआ, जब अंबेरी से देबारी की तरफ जा रही एक कार गलत लेन में आकर ट्रक से टकरा गई।

इस दुर्घटना में कार सवार सभी पांच युवक गंभीर रूप से घायल हो गए और बाद में उनकी मौत हो गई। हादसे के समय कार के ड्राइवर ने इसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन उसे पर्याप्त जगह नहीं मिल पाई और वह सीधे ट्रक से टकरा गया। इसके परिणामस्वरूप कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और कार में सवार सभी पांच युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में हेड कांस्टेबल का बेटा भी शामिल है। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना की सूचना मिलते ही सुखेर थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और सभी मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस अब इस दुर्घटना के कारणों की जांच में जुटी हुई है। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि कार चालक इतनी तेजी से गलत दिशा में क्यों जा रहा था।

अनियंत्रित कार पेड़ से टकराने के बाद गड्ढे में गिरी, पिता-पुत्र समेत तीन की मौत

औरैया। यूपी के औरैया जिले में शुक्रवार की सुबह एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े पेड़ से जाकर टकरा गई। इसके बाद कार गड्ढे में जाकर पलट गई। सड़क हादसे में कानपुर देहात के रसूलाबाद निवासी पिता-पुत्र व पौत्र की मौके पर मौत हो गई, जबकि चार घायल हो गए। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घायलों को उपचार के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

छत्तीसगढ़ में बजट सत्र के पहले नगरीय निकाय-पंचायत चुनाव कराने की तैयारी, दिसंबर में हो सकती है घोषणा

रायपुर, 22 नवंबर [एजेंसी]।

छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इस बार चुनावी प्रक्रिया को लेकर कई महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आ रहे हैं। आगामी 11 दिसंबर को नगरीय निकाय चुनाव के लिए अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होगी।चुनाव एक साथ कराने की योजना अगले वर्ष जनवरी या फरवरी में विधानसभा बजट सत्र से पहले की जा रही है। इसके बाद, दिसंबर में चुनावों की आधिकारिक घोषणा की जाएगी, और जैसे ही घोषणा होगी, आचार संहिता लागू हो जाएगी। अधिकारियों के मुताबिक, नगरीय निकाय और पंचायत चुनावों की तारीखें थोड़ी अलग-अलग होंगी, क्योंकि एक ही दिन दोनों चुनाव कराना संभव नहीं है। आगामी फरवरी में विधानसभा बजट सत्र से पहले दोनों चुनाव कराने की योजना है। हालांकि, दोनों चुनावों की अधिसूचनाएं अलग-अलग जारी की जाएंगी। पंचायत चुनाव के नतीजे मतदान के दिन ही घोषित कर दिए जाते हैं, जबकि नगरीय निकाय चुनावों के नतीजे कई चरणों में होने के बाद तय तारीख को घोषित किए जाएंगे। नगरीय निकाय चुनाव का कार्यकाल समाप्त होने को है, और इसके चलते निर्वाचन आयोग ने सभी प्रक्रियाओं को तेज़ी से पूरा करने की योजना बनाई है।

दिसंबर में होने वाले विधानसभा सत्र से पहले अधिकांश काम पूरे करने का लक्ष्य रखा गया है। इन चुनावों को एक साथ कराने से पहले राज्य सरकार को कई महत्वपूर्ण काम करने होंगे। नगर पालिका अधिनियम, नगर निगम अधिनियम और पंचायत अधिनियम में संशोधन की जरूरत होगी। इसके लिए कैबिनेट, राज्यपाल और विधानसभा की मंजूरी की आवश्यकता होगी। विधानसभा सत्र 16 दिसंबर से शुरू होने जा रहा है, और इसी दौरान ये संशोधन किए जा सकते हैं।

भोपाल में पराली जलाने पर रोक उल्लंघन करने वालों पर होगी कार्रवाई

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में नरवाई (पराली) जलाने पर रोक लगा दी गई है। अब नरवाई जलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी यह आदेश दो माह तक प्रभावशील रहेगा। भोपाल के कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने गुरुवार की रात को नरवाई जलाने पर रोक लगाने का आदेश जारी किया।

इस आदेश में कहा गया है कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशों का पालन किया जाएगा। इस आदेश के जरिए भोपाल की भौगोलिक सीमा के खेत में डंठल, नरवाई में आग लगाना पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया है और इसका उल्लंघन करने वालों पर पर्यावरण विभाग भोपाल और ग्रीन ट्रिब्यूनल के प्रावधानों के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

जामा मस्जिद व हरिहर मंदिर प्रकरण: जुमे की नमाज को लेकर संभल में हाई अलर्ट, चप्पे-चप्पे पर पुलिस-पीएसी तैनात

संभल, 22 नवंबर [एजेंसी]।

जामा मस्जिद व हरिहर मंदिर प्रकरण के बीच जुमे की नमाज को लेकर जिले में हाई अलर्ट कर दिया गया है। सुरक्षा की दृष्टि से संभल में भारी संख्या में पुलिस, पीएसी व आरआरएफ के जवानों के साथ ही मुरादाबाद व बरेली मंडल के कई थानों की पुलिस को तैनात किया गया है। साथ ही आईबी व एलआईयू की टीम भी अपने स्तर से स्थिति पर निगाह बनी हुई थी। जिला न्यायालय में हिंदू संप्रदाय की ओर से एक याचिका दायर की थी, जिसमें शहर की जामा मस्जिद में हरिहर मंदिर होने का दावा किया गया था। इस याचिका पर न्यायालय ने सर्वे के आदेश दिए थे।

जामा मस्जिद के हरिहर मंदिर होने व उसके लिए सर्वे की जानकारी के बाद लोगों में रोष फैल गया था। उसकी के बाद से ही पुलिस प्रशासन की ओर से सतर्कता बढ़ा दी गई थी। इसी बीच एक पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था, जिसमें जुमे की नमाज के लिए जामा मस्जिद पर एकत्र होने का आह्वान किया गया था। इस पत्र के वायरल होने के बाद से जिला प्रशासन की ओर से हाई अलर्ट कर दिया गया। साथ ही इंटरनेट मीडिया पर भी खास नजर रखी जा रही थी।

जुमे की नमाज के दौरान शांति व सुरक्षा व्यवस्था बनाने के लिए प्रशासन की ओर से सुबह के ही तैयारी की ली गई थी। डीएम डा. राजेंद्र पैंसिया व एसपी कृष्ण कुमार भी सुबह ही संभल पहुंच गए और शहर का भ्रमण कर पुलिस बल को ब्रीफ किया। प्रशासन की ओर से जामा मस्जिद व उस ओर जाने वाले रास्तों के साथ ही शहर में प्रमुख चौराहों, चिह्नित स्थान पर पुलिस, पीएसी व आरआरएफ जवानों को तैनात किया गया था।

ईश्वर से मिलाने के नाम पर बनाता था नपुंसक, गुरमीत राम रहीम की फिर बढ़ी मुश्किलें, इस मामले में शुरू होगा ट्रायल

चंडीगढ़। साधुओं को नपुंसक बनाने के मामले में सच्चा सौदा डेरा मुखी को इस केस की डायरी और गवाहों के बयानों की कॉपी सौंपने के पंचकूला सीबीआई कोर्ट के आदेश के खिलाफ दाखिल सीबीआई की याचिका पर पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। हाईकोर्ट ने सीबीआई की इस याचिका पर 2019 में इस केस के ट्रायल पर रोक लगा दी थी, तब से इस केस का ट्रायल रुका हुआ है। अब इस केस का फैसला आने पर जल्द ट्रायल शुरू हो सकता है। साधुओं को डेरे में नपुंसक बनाने के मामले में हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। इस मामले में याची ने आरोप लगाए थे कि आश्रम में साधुओं को ईश्वर से मिलाने के नाम पर नपुंसक बनाया जा रहा है। आदेश के बाद सीबीआई ने जांच शुरू की और निचली अदालत में चार्जशीट पेश कर दी। तब से ये केस पंचकूला की सीबीआई कोर्ट में चल रहा है। तारीख 16 फरवरी 2019 को सीबीआई कोर्ट ने इस केस की डायरी और गवाहों के बयानों की कॉपी डेरा मुखी को देने का आदेश दे दिया था। सीबीआई कोर्ट के इसी आदेश को सीबीआई ने हाईकोर्ट में चुनौती दे दी थी। हाईकोर्ट ने तब ट्रायल पर रोक लगा दी थी और अब हाईकोर्ट ने इस मामले में फैसला सुरक्षित कर लिया है।

सहारनपुर एसएसपी आवास पर फायरिंग से मची खलबली, लहूलुहान मिला सिपाही का शव

सहारनपुर। देहरादून रोड स्थित एसएसपी आवास पर सवेरे उस समय खलबली मच गई जब लोगों ने गोली की आवाज सुनी। आवास पर ड्यूटी पर तैनात मौके पर दौड़े, देखा तो सिपाही लहूलुहान अवस्था ने पड़ा था। मौके पर पहुंची थाना जनकपुरी पुलिस ने जानकारी जुटाई। पुलिस के अनुसार सिपाही मेरठ के बहसूमा का रहने वाला अमित कुमार है। जो काफी समय से तनाव में चल रहा था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा, उधर जैसे ही स्वजनों को सूचना मिली तो परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के स्वजन सहारनपुर पहुंच रहे हैं। सिपाही ने राइफल से खुद को गोली मारी है।

डिलाईट क्लॉथ सेंटर
ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा
अब नये परिसर में नई साज-सज्जा के साथ
साड़ियों की विशाल रेंज
SUBHASH | Ambica | Cotton | SILK
Ladies Wear
सूट पीस । लहंगा । ड्रेस मटेरियल
कुर्ती सेट । वेस्टर्न वियर
प्लॉट नं. 81, टीवीएस शोरूम के बगल में, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.ग.) मो. : 8120594099

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक
चर्म, गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार
डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS
(Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)
डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894
सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।
मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)
विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...
पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

TATA STEEL | TATA TISCON
समझदार बनें। बेहतर चुनें।
TATA TISCON 550SD
CALL 1800 108 8282
बी.आर. सेल्स
प्लॉट नं. 15, इंडिया एक्सप्रेसवे कम्पलेक्स, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.ग.)
बिरला मोडल सीमेंट, टाटा टीसकॉन टीएमटी बार, जालोड़ा टीएमटी, टाटा प्रीफाईल पीवीसी, चार सिमार एसी पीवीसी & बिल्डिंग मटेरियल के विक्रेता
9009992855, 7049928855, 7987588210
सही सामान, सही दाम

देवपहरी सहित कई पिकनिक स्पॉट की गहराई अबूझ,रहना होगा सावधान

इन दिनों वन भाज के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे है यहां

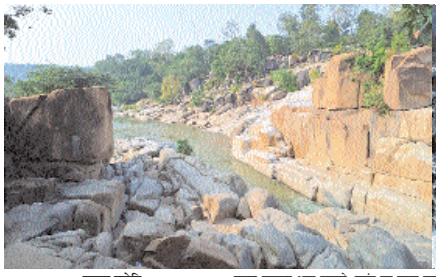

कमल ज्योति

कोरबा । उगते सूरज के समय बिखरती सूरज की किरणे हो या फिर अस्त होने के समय सुनहरी रोशनी और बादलों के बीच झिलमिलाती किरणे। बहते पानी में आधा बाहर तो आधा भीतर की ओर डूबा चट्टान जब बाहर से चमकता हुआ दिखाई देता है तो यह देखने वालों को बरबस ही अपनी ओर खींच लेता है। पानी की धार से तराशे गए इन चट्टानों में सूरज निकलने से लेकर सूरज के डूबने तक चमक ही नहीं होती, नुकीले और धारदार चट्टान कई स्थानों पर किसी को काटने, खरोंच पहुचाने से लेकर उन्हें अपनी गुफानुमा जगहों में कैद करने की क्षमता भी रखती है। बेशक यह कोरबा जिले का प्रसिद्ध पिकनिक स्पॉट देवपहरी, परसखोला, फुटहामुड़ा ही है, जो अपनी खूबसूरती तथा आसपास के मनोरम दृश्य के लिए सभी को अपनी ओर आकर्षित करती है।

पर्यटन और सैर सपाटे के इस मौसम में हल्की ठण्ड, चटक धूप के साथ मनोरम दृश्य हमें मजबूर करते हैं कि हम भी मस्ती और मनोरंजन के लिए परिवार तथा दोस्तों के साथ इन जगहों में जाएं। चूल्हा बनाकर आग जलाये, पसंद का खाना बनाये और आसपास के खूबसूरत सा नजारों को देखकर कुछ गाते,गुनगुनाते, नाचते हुए हमेशा के लिए अपनी यादगार तस्वीर कैमरों में कैद करें। मस्ती और मनोरंजन की यह ख्वाहिश यादगार लम्हों में तब तक कैद होती है, जब तक हम ऐसे स्थानों पर सुरक्षित जाये और सुरक्षित लौट आए, वर्ना जरा सी असावधानी और लापरवाही हमें कभी न भूल पाने वाली वह गम दे जाती है, जो किसी के मस्ती और मनोरंजन के समय बिल्कुल भी नहीं होना चाहिए। कुछ ऐसा ही हादसा जिले के इस देवपहरी जलप्रपात, परसखोला और बालको के फुटहामुड़ा पिकनिक स्पॉट पर बीते माह सिलसिलेवार घटित हुआ। आपस में तय कर नाबालिग छात्र यहां चले तो आए, किसी अनहोनी या हादसों की परवाह किए बगैर पानी में उतरकर नहाने लगे। दूर-दूर तक फैले हुए खतरनाक चट्टानों में पानी कितना है और खतरा कितना है ? इसकी परवाह किए बिना पानी में उतरना उनके लिए मस्ती या मनोरंजन नहीं बल्कि मौत साबित हुआ। जिले में ऐसी कुछ घटनाएं भी है, जिसमे आपस में मस्ती करते हुए और एक दूसरे को पानी में उतरने-कूदने के चौलेंज करते हुए छात्र सूझबूझ से काम नहीं लेते और जोखिमों के बीच पानी में उतर जाते हैं। इन स्थानों में छात्र पानी में बह चुके हैं। चीखते चिल्लाते और देखते ही देखते पानी में समाहित होकर लापता हुए छात्रों को उनके दोस्त भी बचा नहीं पाए, क्योंकि ऐसे हादसों के वक्त डरना, सहमना लाजिमी है और सूझबूझ के साथ कोई उपाय भी दिमाग में नहीं आ पाता। जिला प्रशासन द्वारा महत्वपूर्ण पिकनिक स्थलों पर सावधानी बरतने संबंधी बोर्ड भी लगाये जाते हैं लेकिन मस्ती में चूर अनेक लोग ऐसे सूचनाओं का अनदेखी कर खतरनाक स्थानों पर चले जाते हैं। हादसे की सूचना पर अलर्ट प्रशासन और पुलिस, नगर सेना, एसडीआरएफ तथा ग्रामीणों ने रेस्क्यू कर पूरी कोशिश करते हैं लेकिन मस्ती और लापरवाही की वजह से तत्काल किसी को मौत के मुंह से खींच लाना सम्भव नहीं हो पाता, क्योंकि देरी से सूचना मिलने, अंधेरा हो जाने,पानी का स्तर बढ़ जाने और अटपटे चट्टानों से रेस्क्यू में रोड़ा इन स्थानों पर हुए हादसों का परिणाम आखिरकार जिंदगी के उम्मीदों के बीच नदी के पानी और चमकते चट्टानों के खोह से सिर्फ लाशे ही निकली है। ऐसे हादसों में किसी परिवार का एकलौता चिराग बुझ गया तो किसी परिवार में सबसे बड़ी उम्मीदें भी बिखर गई। खैर अब जो होना था सो हो गया। इसे लापरवाही कहें, हादसा या चूक कहें, लेकिन आगे किसी के साथ ऐसे हादसे न हों, इस दिशा में सतर्क होना भी जरूरी है। जिले में कई ऐसे पिकनिक स्पॉट है और इन पिकनिक स्पॉट के खूबसूरत नजारे आपको आकर्षित जरूर करेंगे।

देवपहरी का पिकनिक स्पॉट जलप्रपात की वजह से सभी को आने के लिए मजबूर करती है। बड़े-बड़े चट्टानों से होकर पानी बहती तो है लेकिन यह खतरनाक भी है और यहाँ तेज गति से बहती पानी की धारा को छूना,बिना सतर्कता के साथ चट्टानों में चलना आपके लिए जोखिम भरा हो सकता है,क्योंकि यहाँ मौजूद भारी भरकम चट्टानों में सिर्फ चमक ही नहीं है, तेज फिसलन भी है, जिसमे असावधानीवश चलकर और गिरकर आप अपनी हड्डियां भी तुड़वा सकते हैं। बालको क्षेत्र के परसखोला, फुटहामुड़ा के जलप्रपात और पिकनिक स्पॉट में उतरकर चट्टान।

4 दिसंबर तक मनाया जाएगा जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा

कोरबा । परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत लैंगिक समानता तथा परिवार नियोजन कार्यक्रम में पुरूषों की सहभागिता बढ़ाने के लिए जिले में 21 नवंबर 2024 से 04 दिसंबर 2024 तक पुरूष नसबंदी पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। परिवार नियोजन में पुरूष भागीदारी को बढ़ावा देने के साथ ही पुरूष नसबंदी और निरोध के उपयोग को बढ़ावा देने हेतु हर साल पुरूष नसबंदी पखवाड़ा मनाया जाता है।

पुरूष नसबंदी पखवाड़े को दो भागों में बाँटा गया है, जिसके प्रारंभिक चरण अंतर्गत 21 नवंबर से 27 नवंबर तक पखवाड़ा के सुचारू संचालन हेतु तैयारियों पर पर ध्यान केन्द्रीत किया जाएगा। इस दौरान ग्राम स्तर से लेकर जिला स्तर तक विशेष अभियान चलाकर पुरूष एवं महिला नसबंदी के प्रति फैली अज्ञानता व भ्रांतियों को दूर किया जाएगा तथा परिवार नियोजन के महत्व के बारे में जनता को जागरूक कर, समस्त स्वास्थ्य केन्द्रों पर कमोडिटी की उपलब्धता, सेवाओं की उपलब्धता, प्रशिक्षण इत्यादि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इस चरण में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओ, तथा मितानिनों के द्वारा जनजागरूकता हेतु सास-बहु सम्मेलन, सही समय पर विवाह, स्वास्थ्य जन्म अंतरा, प्रसव उपरांत परिवार नियोजन, परिवार नियोजन में पुरूष सहभागिता एवं गर्भपात उपरांत परिवार नियोजन, तथा परिवार नियोजन के लिए गर्भनिरोधक दवाईयां की जानकारी दी जाएगी तथा इच्छुक जोड़ों की पहचान, संवेदीकरण और पंजीकरण किया जाना है।

इसी प्रकार 28 नवंबर से 04 दिसंबर 2024 तक पुरूष नसबंदी पखवाड़ा का द्वितीय चरण (सर्विस डिलिवरी) आयोजित किया जाएगा। इस दौरान लक्ष्य दंपतियों को उसकी पसंद अनुसार परिवार नियोजन के अस्थाई साधन एवं जिला चिकित्सालय तथा सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में पुरूष एवं महिला नसबंदी शिविर का आयोजन किया जाएगा।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि जिले में स्थिरीकरण पखवाड़े का आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य परिवार नियोजन सेवाओं को लाभार्थियों तक पहुंचाना है साथ ही पुरूष नसबंदी को बढ़ावा देना है। 21 नवंबर से 04 दिसंबर तक तक जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। पखवाड़े के सफल आयोजन हेतु समस्त खण्ड चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। उन्होंने बताया कि सभी शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों में परिवार नियोजन के साधन निःशुल्क उपलब्ध हैं इसमें पुरूष एवं महिला नसबंदी, निरोध, गर्भनिरोधक गोली, इंजेक्शन कॉपर टी जैसी सुविधाए शामिल हैं। नसबंदी उपरांत हितग्राहियों को महिला नसबंदी हेतु रुपये 2000 तथा पुरूष नसबंदी हेतु 3000 रूपये प्रोत्साहन राशि दिया जाएगा।कलेक्टर श्री अजीत वसंत तथा सीएमएचओ ने जिले के परिवार नियोजन के पात्र इच्छुक दंपतियों से अपने परिवार को सीमित रखने हेतु अधिक से अधिक संख्या में पुरुष नसबंदी तथा परिवार नियोजन के अस्थाई साधन का उपयोग करने की अपील की है। जिससे उनका परिवार सुखी और खुशहाल हो सके।

फर्जी नियुक्ति की शिकायत

गरिराबंद। देवभोग में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पद के लिए निकाली गई भर्ती में मनमानी की गई और पात्र उम्मीदवार को चुन लिया गया। और तो और मधु यादव ने सूचना के अधिकार से जब इस मामले का खुलासा किया तो उसके विरुद्ध फर्जी रिपोर्ट दर्ज कर दी गई। गौ सेवा आयोग के पूर्व सदस्य रमेश यादव ने कहा है

स्वर्ण बिन्दु प्राशन संस्कार कोशिकाओं के असंतुलन तथा विकृति को करता है दूर : डॉ.नागेन्द्र शर्मा

कोरबा। चलो आयुर्वेद की ओर मिशन के तहत बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए बच्चे रहे स्वस्थ योजनानर्गत लायंस क्लब कोरबा एवरेस्ट एवं श्री शिव औषधालय निहारिका के संयुक्त तत्वाधान में नाड़ीवैद्य डॉ.नागेंद्र नारायण शर्मा द्वारा श्री शिव औषधालय एम.आई.जी 20, आर.पी.नगर फेस 2 निहारिका कोरबा में दिनांक 20 नवंबर 2024 बुधवार एवं 21 नवंबर 2024 गुरुवार को अति शुभ बुध-गुरु पुष्य नक्षत्र में आयुर्वेदिक इम्यूनाईजेसन प्रोग्राम के तहत बच्चों को स्वर्ण बिन्दु प्राशन ड्रॉप्स पिलाकर आयुर्वेद पद्धति से टीकाकरण किया गया।

स्वर्ण बिन्दु प्राशन संस्कार के बारे में संस्थान के चिकित्सक नाड़ीवैद्य डॉ.नागेन्द्र नारायण शर्मा ने बताया कि स्वर्ण बिन्दु प्राशन संस्कार बच्चो में शारीरिक एवं मानसिक शक्ति तथा उनकी क्षमता को बढ़ाने के लिये आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा किया जाने वाला टीकाकरण है। जो प्राचीन समय से चला आ रहा है। स्वर्ण बिन्दु प्राशन संस्कार में प्रमुख रूप से शुद्ध स्वर्ण भस्म का प्रयोग होता है, स्वर्ण भस्म शरीर के प्रत्येक कोशिकाओं में प्रवेश कर उनके असंतुलन तथा विकृति को दूर कर शरीर के प्रत्येक अंग की शक्ति और क्षमता को बढ़ाता है।

स्वर्ण बिन्दु प्राशन संस्कार में नाड़ीवैद्य डॉ.नागेंद्र नारायण शर्मा के अलावा लायंस क्लब कोरबा एवरेस्ट के अध्यक्ष लायन शिव जायसवाल, कोषाध्यक्ष लायन गजेंद्र राठौड, लायन सुधीर सक्सेना, लायन प्रत्युष सक्सेना, लायन नेत्रनन्दन साहू, लायन कमल धारीया, लायन अश्विनी बुनकर, देवबलि कुंभकार, राकेश इस्पात, सिद्धराम शाहनी, श्रीमती कमला कुंभकार, नेहा कंवर एवं श्री शिव औषधालय की संचालिका श्रीमती प्रतिभा शर्मा ने विशेष रूप से उपस्थित होकर अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

ग्राम रंजना में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन

कोरबा । कटघोरा विधानसभा अंतर्गत ग्राम रंजना में 22 नवंबर 2024 को जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने जनसमस्या निवारण शिविर के माध्यम से ग्रामीणों तक शासन की योजनाओं को पहुंचाने तथा उनकी समस्या का निराकरण के निर्देश दिए हैं।

हैवी ब्लास्टिंग से छिटक कर घरों में गिर रहे पत्थर

एसईसीएल के प्रभावित ग्रामीणों ने रोका ब्लास्टिंग

गेवरा//कोरबा । साउथ ईस्टन कोलफील्ड लिमिटेड एसईसीएल गेवरा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत अमगांव, दर्राखांचा, जोकही डबरी के नाराज व आक्रोशित ग्रामीणों ने अपनी संपूर्ण समस्याओं का निराकरण तथा हैवी ब्लास्टिंग से ग्रामीणों के घरों पर पत्थरों, बोल्डर के गिरने से मकान क्षतिग्रस्त कर टूट फूट होने से नाराजगी है। ब्लास्टिंग के समय ग्रामीणों में दहशत का माहौल रहता है। अपने ही घरों से अपनी और खुद के परिवार की सुरक्षा के लिए घर से बाहर निकल जाते हैं।

इन सब विषयों को लेकर एसईसीएल प्रबंधन और डीजीएमएस को पत्र व्यवहार कई मर्तबा कर चुके हैं तथा ब्लास्टिंग को लेकर खदान को बाधित भी कर चुके हैं लेकिन अपनी हरकतों से एसईसीएल प्रबंधन बाज नहीं आ रही है। ब्लास्टिंग के कारण घर में ग्रामीण दहशत के साथ रह रहे हैं। घर की सीट, अल्बेस्टर सीट, खपरैल सब टूट रहे हैं। ग्रामीणों में काफी आक्रोश उत्पन्न हो गया है ।आज ग्रामीणों ने अमगांव फेस के ब्लास्टिंग को पूरी तरह ठप्प कर दिये। प्रबंधन की ओर से वार्ता के लिए अभी तक कोई नहीं आया है बल्कि कलिंगा कंपनी के जीएम विकास दुबे ने ग्रामीणों के साथ वार्ता तो किया लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि हमारी लड़ाई एसईसीएल प्रबंधन के साथ है, बात उसी से ही होगा समस्या का समाधान एसईसीएल गेवरा प्रबंधन को ही करना है ।बता दे की अमगांव पंचायत में अख्तीबाई बुजुर्ग महिला अपने परिवार के साथ दोपहर के समय घर में थी और उनके घर लगभग खदान से महज 10 मीटर के अंतराल में ही दोपहर के समय इतना जबरदस्त ब्लास्टिंग प्रबंधन के द्वारा कराया गया कि ब्लास्टिंग के पत्थरों का बोल्डर उनके घर में जा गिरा। उनकी जान बाल-बाल बची और उनके घर की घटना को देखकर ग्रामीणों में आक्रोश उत्पन्न हो गया। जिसको लेकर आज खदान के ब्लास्टिंग को बंद करा दिया गया। अभी भी समाचार लिखे जाने तक खदान की ब्लास्टिंग पूरी तरह बंद है व ग्रामीण वहां डटे हुए हैं। 6 महीना समय देने और पूरी व्यवस्थाओं के होने के बाद गांव खाली करेंगे,ऐसा अमगांव पंचायत के ग्रामीणों का कहना है ।

उल्लेखनीय है कि डीजीएमएस के निर्देश का यहां ब्लास्टिंग के मामले में खुला उल्लंघन हो रहा है आबादी क्षेत्र से कम से कम 500 मीटर की दूरी पर ही खदान संचालित करने और ब्लास्टिंग की अनुमति दी गई है लेकिन इसका कोई पालन होता यहां नहीं दिख रहा है डीजीएमएस की टीम को इस क्षेत्र में दौरा करने की जरूरत है वरना आए दिन किसी के साथ घटना दुर्घटना होने का डर हमेशा बना रहेगा।

कबाड़ वाहनों से मुक्त होगें जिले के थाना व चौकी परिसर

कोरबा। जिले के विभिन्न थाना चौकी में लावारिस हालत में खड़ी वाहनों को जल्द नीलाम किया जाएगा। पुलिस ने ऐसे वाहनों की सूची तैयार कर ली है जिस पर किसी ने भी अपना दावा पेश नहीं किया है। एसपी के निर्देश और एसडीएम कर अनुमति से जल्द वाहनों को नीलाम किया जाएगा। पुलिस अधिकारियों ने बताया,कि ऐसे वाहनों की संख्या करीब सात सौ हैं जिनका कोई भी मालिक नहीं है।

एक लंबे अरसे के बाद कोरबा पुलिस ने उन वाहनों को नीलाम करने की कार्योजना बना ली है,जो जिले के विभिन्न थाना चौकियों में लावारिस हालत में पड़े है। इन वाहनों के कारण पुलिस थानों की सूरत पूरी तरह से कबाड़ दुकान के रुप में तब्दील हो गई है। लावारिस वाहनों के चलते पुलिस थानों में जबह की काफी कमी हो गई है यही वजह है,कि एसपी के निर्देश पर एसडीएम की अनुमति से ऐसे वाहनों की सूची तैयार कर उन्हें नीलाम करने का निर्णय लिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया,कि विभिन्न थानों में खड़ी वाहनों की सूची तैयार की गई और उनके मालिकों के संबंध में खोजबीन की गई है। जिनके मालिक मिले उन्हें दस्तावेजों के आधार पर वाहन सौंप दिया गया जबकि जिन वाहनों के मालिक नहीं मिले उन्हें नीलाम किया जाएगा। पुलिस ने बताया,कि नीलाम होने वाले वाहनों की संख्या करीब सात सौ है।

जिले के विभिन्न थानों में खड़ी अधिकतर वाहनें कबाड़ में तब्दील हो चुकी है। ऐसे में सवाल ये उठता है,कि क्या नीलाम के दौरान उन्हें उनका खरीददार मिलेगा। करीब सात सौ वाहनों को नीलाम करने की योजना बनाई गई है। ऐसे में अबर नीलामी के दौरान जिन वाहनों को उनका खरीददार नहीं मिलता तो आगे उनका क्या होगा।

कमिश्नर पाण्डेय ने दर्री जोन का दौरा कर स्थिति जानी

कोरबा। आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने निगम के अधिकारियों के साथ दर्री जोन के विभिन्न स्थलों का भ्रमण किया, उन्होने कार्पोरेशन साईट लाटा में बनाए गए प्रधानमंत्री आवास योजना के आवासगृहों, कोहड़िया स्थित जल उपचार संयंत्र आदि का निरीक्षण किया, दर्री क्षेत्र की साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया तथा विभिन्न कार्यो में और अधिक कसावट लाने के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने आज निगम के अधिकारियों के साथ प्रातः 08 बजे से नगर पालिक निगम कोरबा के दर्री जोनांतर्गत विभिन्न स्थानों का दौरा किया। भ्रमण के दौरान आयुक्त श्री पाण्डेय कार्पोरेशन साईट में निगम द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजनातंर्गत पूर्व में निर्मित कराए गए आवासगृहों का निरीक्षण किया। यहाँ उल्लेखनीय है कि निगम द्वारा कार्पोरेशन साईट में 132 आवासगृहों का निर्माण योजना के अंतर्गत कराया गया था, उक्त आवासगृहों के समीप पूर्व में शराब दुकान (मदिरा दुकान) स्थित होने के कारण हितग्राहियों द्वारा आवासगृहों का आबंटन में रूचि नहीं दिखाई जा रही थी, किन्तु अब उक्त शराब दुकान को वहाँ से हटा दिया गया है तथा हितग्राहियों को उक्त आवासगृहों के आबंटन हेतु आवश्यक प्रक्रिया की जा रही है, निरीक्षण के दौरान आयुक्त श्री पाण्डेय ने आवासगृहों में किसी भी प्रकार की टूट-फुट व मरम्मत संबंधी आवश्यकता के हिसाब से मरम्मत कार्य कराने, आवासगृह परिसर में बाउण्ड्रीवाल निर्माण, एप्रोच रोड, पानी, बिजली आदि की व्यवस्थाएं सुनिश्चित किए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। भ्रमण के दौरान आयुक्त श्री पाण्डेय कोहड़िया स्थित निगम के जल उपचार संयंत्र पहुंचे, उन्होने डब्ल्यू.टी.प्लांट में जल को उपचारित किए जाने संबंधी प्रक्रिया का सूक्ष्म अवलोकन किया, सम्पूर्ण जल उपचार संयंत्र का भ्रमण करते हुए वहाँ की व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरूस्त करने आदि के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए। साफ-सफाई कार्यों में और अधिक कसावट - भ्रमण के दौरान आयुक्त श्री पाण्डेय ने क्षेत्र की साफ-सफाई व्यवस्था व संपादित कराए जा रहे।

राम सिंह अग्रवाल भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन बनें

कोरबा भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार अनुसार कलेक्टर /अध्यक्ष ने जिला निर्वाचन अधिकारी के रूप में डिप्टी कलेक्टर सुश्री रुचि शार्दुल को नियुक्त किया था जिला कलेक्टर सभागार में मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी / सचिव के निर्देशन में निर्वाचन अधिकारी ने सर्वसम्मति से कोरबा जिला भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के जिला प्रबंध समिति का निर्वाचन किया गया जिसमें सर्व सहमति से सामान्य सभा में राम सिंह अग्रवाल चैयरमैन, राजेंद्र प्रसाद तिवारी सहचैयरमैन, राजेश बगड़िया कोषाध्यक्ष एवं राज्य प्रतिनिधि के रूप में योगेश जैन व प्रबंध समिति में सर्वश्री पारस जैन, नितिन विजय चतुर्वेदी, विनोद कुमार सिन्हा, अमित अग्रवाल, लक्ष्मी शंकर सिंह, अखिलेश दत्त अग्रवाल, मनीष मोदी, डॉ राजीव गुप्ता सर्व सहमति से मनोनीत किए गए। इस अवसर पर कोरबा जिला रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव मुख्य स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी ने नवनिर्वाचित कोरबा जिला रेड क्रॉस सोसाइटी प्रबंध समिति के सदस्यों को शपथ दिलाई ।

इस अवसर पर जिला कोरबा रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन राम सिंह अग्रवाल ने कलेक्टर कोरबा मुख्य चिकित्सा अधिकारी को विश्वास दिलाया कि आने वाले दिनों में जिला रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से गरीबों की सेवा तथा जनहित के कार्यों के प्रति सक्रिय रहकर छत्तीसगढ़ रेड क्रॉस सोसाइटी में अपना प्रमुख स्थान कोरबा को मिलेगा ऐसी उम्मीद जताई। प्रबंध समिति के सदस्य विनोद कुमार सिन्हा ने जिला रेड क्रॉस सोसाइटी के आम सभा में उपस्थित सभी सम्माननीय सदस्यों एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

असंख्य लोगों के स्नेह ने अभिभूत किया सुरेन्द्र को जन्मदिन पर

कोरबा। छत्तीसगढ़ प्रदेश की तेजी से उभरती छेत्रिय राजनीतिक दल जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के प्रदेश संगठन मंत्री व जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी कटघोरा विधानसभा के प्रत्यासी रहे सुरेंद्र प्रसाद राठौर का 19 नवंबर को उनके जन्मदिन पर अपने निज निवास में सुबह छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा अर्चना की जिसके बाद जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी कोरबा के कार्यकर्ताओं के द्वारा अपने खड़, गुड़ी व जिला स्तर पर जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के प्रदेश संगठन मंत्री सुरेंद्र प्रसाद राठौर जी को उनके जन्मदिन को मनाने के लिए जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के खड़ के पदाधिकारियों ने अपने पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं व जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के प्रदेश संगठन मंत्री सुरेंद्र प्रसाद राठौर को आमंत्रित कर सर्वप्रथम पाली, तत्पश्चात कटघोरा, दर्री, बांकी मोंगरा, कुसमुंडा, कोरबा शहर के पश्चात दीपका खंड में केक काट समाप्त हुवा पदाधिकारियों ने जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के प्रदेश संगठन मंत्री सुरेंद्र प्रसाद राठौर का भव्य स्वागत कर भव्य रूप से सुरेंद्र प्रसाद राठौर का जन्मदिन मनाया, जिसके बाद सुरेंद्र प्रसाद राठौर ने अपने जन्मदिन को ख़ास बनाने के लिए अपने निज निवास पर जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी और छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के सैकड़ो कार्यकर्ता पदाधिकारियों को आमंत्रित कर पार्टी कार्यकर्ताओं व सामाजिक संगठन के कार्यकर्ताओं एवं अपने परिवार के साथ जन्मदिन मनाया, सुरेंद्र प्रसाद राठौर के जन्मदिन के अवसर पर जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी कोरबा जिलाध्यक्ष जैनन्द कुर्रे, जिला महासचिव बादल दुबे,संगठन मंत्री सुरेश पटेल, कोरबा शहर अध्यक्ष हरी चौहान शहर उपाध्यक्ष संजीव गोस्वामी,दीपका खंड अध्यक्ष नोभीत साहू, महासचिव महावीर यादव, संगठन मंत्री रोहित कश्यप, उपाध्यक्ष शीनू यादव, छुरी खड़ अध्यक्ष देवहंस वहीं छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना कोरबा जिलाध्यक्ष सुरजीत सोनी, संयोजक नवल साहू, जिला उपाध्यक्ष प्रमोद खांडे, दीपका खड़ अध्यक्ष बसंत चंद्राकर, उपाध्यक्ष छोटे लाल मारवा, सचिव ओम केवट, संयोजक गोमेश्वर यादव, मीडिया प्रभारी मालिक सिंदराम, ओमराज सिंह, कुशमुण्डा खंड अध्यक्ष कमलेश यादव, बांकी खंड अध्यक्ष राजा व जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी और छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना कोरबा के सैकड़ो कार्यकर्ता सेनानी व पदाधिकारी उपस्थिति रहे ।

अपना घर सेवा आश्रम देखा छात्रों ने

कोरबा । कोरबा अंचल में संचालित कमला नेहरू महाविद्यालय कोरबा के एमएसडब्ल्यू प्रथम वर्ष प्रथम सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं ने अपना घर सेवा आश्रम का भ्रमण किया। संस्था द्वारा संचालित आश्रय केंद्र में आश्रय पाने वालों के साथ वक्त बिताया, उनका हालचाल जाना और उनकी देखरेख करने वाले अपना घर सेवा आश्रम के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियों को समझने का भी प्रयास किया। कमला नेहरू महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रशांत बोपापुरकर के दिशा-निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम में एमएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम के पहले बैच में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं शामिल हुए। इस दौरान एमएसडब्ल्यू विभाग के सहायक प्राध्यापक ओ.पी. साहू, डॉ. श्रीमती विमला सिंह एवं श्रीमती अंजू खेस के मार्गदर्शन में अपना घर का शैक्षणिक भ्रमण किया

8 करोड़ खर्च के बाद भी रामबांधा तालाब का पानी मुंह लगाने लायक नहीं

(सीताराम नायक)

जलकुंभी एवं पुराईन पत्ता, चीला से पटा पड़ा है तालाब

जांजगीर चांपा। चांपा शहर का नामी रामबांधा तालाब अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है जिसकी सौंदर्यीकरण में करोड़ों रुपए खर्च किए जाने के बाद भी पानी इतना दूषित हो गया है कि आज मुंह में डालने लायक तक नहीं है इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां के जनप्रतिनिधि कितने उदासीन है। नगर पालिका परिषद चांपा शहर एक तरह से राजवाड़ा, धार्मिक शहर है जहां की सभ्यता एवं संस्कृति अपने आप में अनोखा है जिसे जानने के बाद हर कोई व्यक्ति अपने जीवन में उतारने का प्रयास करते है किंतु इस नगर पालिका के महान तालाब रामबांधा की दुर्दशा की ओर किसी जन प्रतिनिधी का ध्यान नहीं जा पा रहा है बल्कि यहां पर की व्याप्त गंदगी के कारण यह तालाब अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए टक टकी निगाह से इन्हें देख रहा है।

कि कहीं कोई श्रवण कुमार बनकर इस तालाब की दुर्दशा को ठीक कर दे । ज्ञात होकर इसके पहले नगर पालिका परिषद चांपा द्वारा इस तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए 8 करोड़ रुपए खर्च किया गया है इस राशि के खर्च किए जाने को लेकर नगर पालिका परिषद आए दिन सुर्खियों में रही है जहां लागत के हिसाब से कार्यों का मूल्यांकन लोगों की गले नहीं उतर रही है।

वर्तमान में 101 एकड़ का यह तालाब सिमट कर काफी छोटा हो गया है जो पूराइन पत्ता एवं जलकुंभी, चीला आदि से भरा पड़ा है जहां पानी के अंदर सड़ती पत्तियां लोगों के लिए दूषित वातावरण निर्मित कर रही है। कायदे से इस तालाब का सफाई साल दो सालों में अनिवार्य रूप से किया जाना चाहिए ताकि रामबांधा का पानी लोगों के लिए उपयोगी शाबित होती रहे, किंतु इस तालाब का कई सालों से सफाई नहीं होने के कारण गंदगी से पटने लगी है।

जानकारों को यह कहना है कि इस तालाब का स्वरूप काफी बड़ा था जिसे स्थानीय कुछ लोगों ने आवासीय क्षेत्र रूप से चयन कर बेजाकब्जा करते हुए इसके पार (दीवार) अनेकों घर बना लिए हैं जिसके कारण तालाब का पार नजर नहीं आता। बल्कि अनेक घर इस रामबांधा तालाब के पार पर बन गया है। बहुत से घर ऐसे हैं जो बेजाकब्जा करते हुए शौचालय की नाली को सीधे तौर पर तालाब के अंदर जोड़ दिए हैं गंदगी सीधे तालाब में जा रहा है जिससे तालाब का पानी लगातार खराब होने लगा है,इन्हीं गंदगियों के कारण इसका जल जल्दी दूषित हो जाता है।

इस नगर में धर्मात्मा के रूप में अनेक चेहरे समय-समय पर सामने आते रहते हैं जो भगवान का मंदिर भी बेजा कब्जा करके तालाब पार में बना दिए हैं जबकि असली श्रद्धा अगर होता तो अपनी निजी जमीनों पर बनवाकर जनता को समर्पित करते, परंतु ऐसे लोग पहले मंदिर का निर्माण कर करते हैं और उसके पीछे बेजा कब्जा करते जाते है,नतीजा यह है कि लोगों के लिए आने जाने जमीन नहीं बचता । जिसके कारण रामबांधा तालाब का स्वरूप अच्छा दिखाई नहीं दे रहा है।

इस तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए जिम्मेदारों द्वारा लगभग आठ करोड़ जो रुपए खर्च किया गया है उसके साथ-साथ अगर इस तालाब के चारों तरफ चौपाटी निर्माण कर दिए होते तो इसमें और भव्यता आ जाती। परंतु बेजा कब्जा धारियों के कारण इस महत्वपूर्ण योजना को अमल में नहीं लाया जा सका।

जिला प्रशासन को चाहिए कि इस तालाब के पार में जो लोग बेजा कब्जा कर घर बना लिए हैं उन्हें तत्काल बेदखल करें ताकि तालाब के अस्तित्व के साथ-साथ शहर में सुंदरता लाई जा सके ।

बाहरहाल लोगों के घरों से आई गंदगी एवं शहर के गंदी नालियों का घुसता प्रदूषित पानी से इसका पानी प्रदूषित हो रहा है। इसके अलावा इस तालाब में पुराइन पत्ता, चीला एवं जलकुंभी आदि से आती सड़न की बदबू आने लगी है जिसका सफाया किया जाना आवश्यक है, नहीं तो इस प्रदूषित वातावरण बीमारी का कारण भी बन सकता है जिस ओर जिला प्रशासन को एवं नगर पालिका परिषद को ध्यान देने की जरूरत है।

6 एकड़ जमीन के लिए परिवार वालों ने छोड़ दिया साथ

बेटियों ने दिया पिता को मरने पर कंधा

जांजगीर चांपा। उम्र के अंतिम पड़ाव में एक दिन सबको खाली हाथ ही ऊपर जाना पड़ता है। लेकिन चंद पैसों की लालच में जब कोई अपना ही अंतिम यात्रा में साथ छोड़ दे तो मानवता जरूर शर्मसार होने लगती है। कुछ इसी तरह की अजीबो गरीब कहानी बिर्रा थाना क्षेत्र के घिवरा गांव में सामने आया। जिसमें चंद रुपयों की लालच में एक वृद्ध किसान की परिवार वालों ने साथ छोड़ दिया।

गुरुवार की सुबह जब अंतिम संस्कार करने की बात आई तो परिवार वालों ने कहा कि सीताराम की संपत्ति को उनके नाम किया जाए। तब बेटियां परिवार वालों की शर्त मान लिए। लेकिन परिवार वालों का कहना था कि उनकी संपत्ति को अभी उनके नाम किया जाए। इस दौरान दोनों पक्षों में ड्रामा चलता रहा। आखिरकार सीताराम की बेटियां उनकी शर्त नहीं मानी और खुद ब खुद अंतिम संस्कार करने की मन में ठान ली। उक्त समय में उनकी चार बेटियों ने अपने वृद्ध पिता को कंधा दिया और अंतिम संस्कार की रस्म पूरी की।

मामला घिवरा गांव का है। जहां सीताराम कश्यप (80) काफी दिनों से अस्वस्थ था। लंबी बीमारी की वजह से गुरुवार की सुबह उसका निधन हो गया। शव घर पर रखा रहा। परिवार के लोगों ने मामले की सूचना उनकी चार बेटियों को दी। दरअसल, सीताराम कश्यप का बेटा नहीं था। इसलिए उसकी देखभाल परिवार वालों ने इसी शर्त पर कर रहे थे कि सीताराात के निधन के बाद उसकी संपत्ति परिवार वालों को दी जाएगी।

खोखसा हाईस्कूल में 3 साल के भीतर 82 से घटकर 32 हो गए स्कूली छात्र

जांजगीर-चांपा। जिला मुख्यालय जांजगीर से लगे हाईस्कूल खोखसा में पढाई का स्तर कम होता जा रहा है। तीन साल पहले यहां 82 छात्रो ने एडमिशन लिया था। जो अब घटकर 32 हो गए है। इन सालो के भीतर 50 बच्चे कम हो गए । जिसके चलते बच्चो का रूझान निजी स्कूलो की ओर बढ रहा है।

जिला मुख्यालय जांजगीर से लगे ग्राम खोक्सा में शासकीय हाई स्कूल का संचालन किया जा रहा है। यहां कक्षा 9 वी में 15 एवं 10 वी मे 17 छात्र अध्ययनरत है। 3 साल पहले यहां 82 छात्र पढाई लिखाई कर रहे थे। जो अब घटकर 32 हो गए है। इन तीन सालो के भीतर 50 बच्चे कम हो गए है। ऐसा भी नही की यहां स्टाप की समस्या हो। इन सबके बावजूद स्कूल में भर्ती होने वाले बच्चो की संख्या कम होती चली जा रही है। हाईस्कूल खोक्सा में विज्ञान, गणित, संस्कृत, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान सहीत अन्य विषयो के शिक्षक पदस्थ है। इन सबके बावजूद छात्रो की दर्ज संख्या कम होती चली जा रही है। जिला मुख्यालय से लगे होने के कारण भी ज्यादातर शिक्षक आसपास के नजदीक स्कूल में पोस्टिंग को लेकर ध्यान देते है। वहीं दुसरी ओर बच्चो को पढाने लिखाने को लेकर ध्यान नही देते है। एक तरफ तो राज्य शासन के स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा सरकारी स्कूलो में पढने लिखने वाले बच्चो की संख्या बढे। इस बात को ध्यान में रखकर लाखो रूपए की राशि हर साल खर्च कर दी जाती है।

किया जाएगा निरीक्षण

जिला मुख्यालय से लगे ग्राम खोखसा के हाईस्कूल में छात्रों की कम संख्या होने की जानकारी मिली है। इसे लेकर स्कूल का निरीक्षण किया जाएगा। निरीक्षण उपरांत दिशा निदेश भी जारी किया जाएगा।

विजय लहरे, बीईओ, नवागढ़

सिविल सर्जन डॉ. जगत का हुआ रायगढ़ स्थानांतरण

जांजगीर चांपा । जिला अस्पताल जांजगीर के सिविल सर्जन डॉ. अनिल जगत का रायगढ स्थानांतरण हो गया। उनके स्थान पर सूरजपुर के डॉ. दीपक जायसवाल को जांजगीर जिला अस्पताल का सिविल सर्जन बनाया गया है। साथ ही रायगढ़ के डॉ. उषा किरण भगत को जिला अस्पताल जांजगीर में पदस्थ किया गया है।

डॉ. भगत निश्वेतना विशेषज्ञ हैं। जिला अस्पताल में अब एक निश्वेतना विशेषज्ञ की पोस्टिंग होने से डॉक्टरों की कमी दूर होगी। गौरतलब है कि प्रदेश में बड़े पैमाने पर डॉक्टरों का तबादला हुआ है। जिसमें काफी लंबे समय से पदस्थ डॉ. अनिल जगत को रायगढ़ भेजा गया है। हालांकि डॉ. जगत के जाने के बाद उनकी कमी जिला अस्पताल में बनी रहेगी। क्योंकि उनके रहने से मरीजों को काफी राहत मिलती थी। सिविल सर्जन होते हुए भी वे हर रोज 100 से अधिक मरीजों को देखते थे। इसके चलते जिले के मरीजों में मायूशी देखी जा रही है। हालांकि डॉ. जायसवाल की पोस्टिंग जांजगीर में होने से आने वाले दिनों में उनका कामकाज परखा जाएगा।

स्त्री का चरित्र ही उसका सबसे बड़ा रक्षक है: रत्नेश प्रपन्नाचार्य

जांजगीर चांपा। जीवन में कभी-कभी निराशा मिलती है यह क्षण सबके जीवन में आता है लेकिन जो भगवान का आश्रय लेते हैं वह निराशा को दूर कर जाते हैं। जब आपको लगे कि जीवन में सब कुछ खत्म हो गया! तब आंख बंद करके ईश्वर का ध्यान कर लेना कोई ना कोई मार्ग मिल जाएगा। यह बातें व्यास पीठ की आसंदी से अवधपुरी धाम, उत्तर प्रदेश से पधारे हुए अनंत श्री विभूषित श्री स्वामी रत्नेश प्रपन्नाचार्य जी महाराज ने संगीतमय श्रीराम कथा के अंतिम दिवस राम कथा के रसिकों को श्रीमद् वाल्मीकि रामायण की कथा का रसपान कराते हुए अभिव्यक्त किया। उन्होंने कहा कि *स्त्री के जीवन का सबसे बड़ा आभूषण है, पति का प्रेम। जिस स्त्री से उसका पति प्रेम करता है वही संसार की सबसे सुंदर स्त्री है।

चरित्र ही उसका सबसे बड़ा रक्षक है। जो स्त्री चरित्रशील है वह राक्षसों के बीच लंका में भी सुरक्षित है और जो चरित्रहीन है वह अपनों के बीच ही असुरक्षित है* 84 लाख योनि में भटकने के पश्चात जीव को मानव का शरीर प्राप्त होता है, मानव शरीर प्राप्त करने का एकमात्र उद्देश्य है ईश्वर को प्राप्त कर लेना, नहीं तो मानव जीवन प्राप्त करना व्यर्थ हो जाएगा। संसार का सबसे कमजोर व्यक्ति वह है जो ईश्वर पर विश्वास नहीं करता। जब हम किसी संत पर विश्वास नहीं करते तब जीवन से भक्ति दूर चली जाती है, जो असली संत होते हैं उनके जीवन में आडंबर नहीं होता। चमत्कार किसी संत की कसौटी नहीं है। जीवन का सबसे बड़ा चमत्कार ईश्वर को प्राप्त करना ही है। जीवन में खोई हुई शान्ति ,भक्ति और शक्ति को प्राप्त करने के लिए विचार, विश्वास और वैराग्य रूपी पर्वत पर चढ़ना सीखना चाहिए। संसार में गिरे हुए लोगों को केवल दो लोग ही उठते हैं एक संत दूसरा भगवंत। मानव जीवन में तीन ही कार्य हैं- कामकाज, आम काज तथा रामकाज। ध्यान रहे हम संसार में रहें, संसार हममें ना रहे।

नाव पानी में रहता है लेकिन पानी नाव में नहीं रहता यदि नाव के अंदर पानी आ जाए तब वह डूब जाएगा।उन्होंने कहा कि यदि कोई प्रशंसा करें तो छोटे बन जाओ नहीं तो प्रशंसा बड़े-बड़े को निगल जाती है। प्रणाम जीवन के हर परिणाम को बदल देता है। बच्चों में बालपन से ही संस्कार डालनी चाहिए। घड़ा पक जाने के बाद गढ़ा नहीं जा सकता। उन्होंने सिर पर सीताराम, फिकर फिर क्या करना। राजेश्री महन्त जी महाराज ने लोगों के समक्ष कहा कि- पूज्य गुरुदेव जी महाराज को इस संसार से गए हुए 30 वर्ष पूरे हो गए उनकी स्मृति में यह कथा प्रतिवर्ष आयोजित होती है आप सब पुण्य के भागी बने हैं इसके लिए आप सभी को धन्यवाद ज्ञापित करता हूं।

मठ मंदिर के ट्रस्टी विजय पाली ने सभी के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम में संत राम गोपाल दास जी महाराज, राधेश्याम दास जी महाराज, गोवर्धनाचार्य जी महाराज एवं पूर्व शिक्षा मंत्री सत्यनारायण शर्मा, पूर्व कमिश्नर बी एल तिवारी, सहित अनेक गणमान्य नागरिक गण सम्मिलित हुए।

डिप्टी सीएम से मिले विधायक, बाईपास सड़क सहित विभिन्न विकास कार्यों की मांग

अकलतरा। विधायक राघवेंद्र कुमार सिंह के द्वारा प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव से मुलाकात कर अकलतरा मैं बाईपास सड़क सहित विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न - विकास कार्यों की - मांग की गई। विधायक राघवेंद्र कुमार सिंह के द्वारा उपमुख्यमंत्री से अकलतरा नगर के लिए बायपास सड़क बलौदा-जावलपुर- नैला मार्ग के नवीनीकरण , अकलतरा-बलौदा-बुडगहन मार्ग के शीघ्र पूर्ण कराने, बेलटुकरी-खैजा नहर मार्ग की स्वीकृति एवं अकलतरा जल आवर्धन के शेष काम को पूर्ण कराने सहित क्षेत्र के अन्य कई जनहित के कार्य की स्वीकृति के लिए आग्रह किया गया। विधायक राघवेंद्र कुमार सिंह की मांग पर उपमुख्यमंत्री अरुण साहू के द्वारा सकारात्मक आश्वासन दिया गया।

मैदान में खेल रहे छात्र को सांप ने डसा, सीएचसी में भर्ती

अकलतरा। शासकीय प्राथमिक शाला तागा में स्कूल के सामने खेल मैदान में खेलते समय चौथी के छात्र रोहित साहू को जहरीले सांप ने डस लिया। शाला की प्रधानपाठिका पुष्पा सूर्यवंशी ने बताया कि गुरुवार की दोपहर 12 बजे स्कूल के सामने स्थित खेल मैदान में छात्र-छात्राएं खेल रहे थे। खेलने के दौरान चौथी में अध्ययनरत छात्र रोहित साहू को जहरीले सांप ने डस लिया। छात्र को निजी वाहन से इलाज के लिए सीएचसी अकलतरा ले जाया गया। अब वह खतरे से बाहर है।

कुलीपोटा में न्योता भोज का आयोजन

जांजगीर चांपा। शासकीय हाई स्कूल के प्राचार्य जीसी साहू ने हाई स्कूल के बच्चों के लिए न्योता भोज का आयोजन किया। इस भोज में एसएमडी अध्यक्ष अनिल साहू, एसएमसी अध्यक्ष रेशम लाल साहू, सरपंच विमला कुर्रे ओमप्रकाश कुर्रे, मदन लाल राठौर, रामलाल लहरे , प्राचार्य जीसी साहू, व्याख्याता डीके साहू, वीणा तिवारी, बीके मिश्रा, शोभना बघेल, प्रगति राठौर, मिडिल स्कूल से डॉ. प्रतीक्षा शुक्ला, प्रायमरी स्कूल की प्रधान पाठक वर्षा तिवारी, पूजा राठौर, राजेश्वरी साहू, माधुरी गोस्वामी, गोवर्धन साव सहित स्कूली छात्र-छात्रा व ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

लायंस क्लब ने स्कूल में बांटा पंखा

चांपा। लायंस क्लब ने शासकीय प्राथमिक शाला, आरक्षी केंद्र चांपा में कार्यक्रम आयोजित कर सिलिंग फैन? बांटे। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए वीके अग्रवाल ने बताया कि लायंस क्लब की ओर से हर जरूरतमंद लोगों को हर संभव सहायता करने का प्रयास किया जा रहा। आगे कहा कि यदि हम किसी रोते हुए उदास बच्चों की चेहरे पर मुस्कान लाने का काम करते हैं, तो ये भी जन सेवा है। लायन संतोष कुमार सोनी ने जानकारी देते हुए कहा कि लायंस क्लब चांपा पिछले 55 वर्षों से निरंतर सेवा कर रहा। समय-समय पर विभिन्न सेवा कार्यक्रम आयोजित कर लायंस क्लब लोगों की सेवा करता है।

इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक शांति कुजूर, दिनेश शर्मा, गोपेश्वर कहरा, कुसुम खटकों, रिया शर्मा, सीमा तिवारी, नीलांबर सिंह गोंड मधु पांडे, आरती स्वर्णकार, रसोइया और रजनी उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन विद्यालय के प्रधान पाठक सीमा तिवारी ने किया। इस कार्यक्रम लायंस क्लब के संरक्षक पूर्व प्रांतपाल डॉ. वीके अग्रवाल, जोन चेयरमैन राजेश कुमार अग्रवाल, अध्यक्ष रामप्रफत देवांगन, सचिव संतोष कुमार सोनी अधिवका, सह सचिव किशन शर्मा, लायंस क्लब एजुकेशन सोसायटी के चेयरमैन गिरधारीलाल अग्रवाल, मोहन लाल गुलाबानी, वासुदेव देवांगन उपस्थित रहे।

केशरी एवं त्रिवेणी फॉर्मेसी कॉलेज में पोस्टर प्रदर्शनी आयोजित

जांजगीर नैला। केशरी कॉलेज ऑफ फार्मेसी खोखरा एवं त्रिवेणी कॉलेज ऑफ फार्मेसी तिलई के संयुक्त तत्वाधान में पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।फार्मेसी पोस्टर प्रतियोगिता में छात्र - छात्राओं ने स्वास्थ्य जागरूकता के प्रति अपनी रचनात्मकता दिखाई। पोस्टर में स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी गई जैसे कि दवाओं का सही उपयोग कैसे करें, स्वस्थ जीवनशैली और बीमारियों की रोकथाम । फार्मेसी के छात्र - छात्राओं ने पोस्टर बनाकर स्वास्थ्य शिक्षा को बढ़ावा दिया।

पोस्टर में स्वास्थ्य जागरूकता के संदेश दिए गए जैसे कि स्वस्थ जीवन के लिए सुरक्षित दवाएं और स्वस्थ जीवनशैली के लिए नियमित व्यायाम। फार्मेसी से संबंधित पोस्टर स्वस्थ जीवन के लिए सुरक्षित दवाएं, फार्मेसी- स्वास्थ्य की रीढ़, दवाओं का सही उपयोग, स्वास्थ्य की रक्षा कैसे करें, फार्मेसी की दुनिया में नवाचार,स्वास्थ्य सेवाओं में फार्मेसी की भूमिका , दवाओं की गुणवत्ता कैसे बनाए रखें, फार्मेसी और स्वास्थ्य शिक्षा, दवाओं का दुरुपयोग कैसे रोकें, स्वस्थ भविष्य के लिए फार्मेसी की ओर , फॉर्मेसी और पर्यावरण संरक्षण विषयों पर आधारित था। संस्था के संचालक डॉ.सुरेश यादव के मार्गशन में आयोजित इस प्रतियोगिता में डी फार्मेसी प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के फार्मासिस्ट छात्र - छात्राओं ने अलग - अलग थीमों पर पोस्टर बनाकर अपने कला का प्रदर्शन किया।फार्मासिस्ट छात्र - छात्राओं के प्रयास की सभी ने भूरी - भूरी प्रशंसा किया। पोस्टर मेकिंग में डी फार्मेसी द्वितीय वर्ष की छात्रा पल्लवी कुर्रे प्रथम स्थान पर रहीं। जितेंद्र कटकवार द्वितीय तथा दीपिका पटेल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। मिथलेश साहू एवं गुलशन पटेल का स्थान सराहनीय रहा। त्रिवेणी कॉलेज ऑफ फार्मेसी से शशि श्रीवास प्रथम स्थान पर रही। राजकुमारी द्वितीय एवं नेहा महिपाल तृतीय स्थान पर रहीं।

कार्यालय कलेक्टर (आबकारी) जिला-कोरबा छत्तीसगढ़

क्रमांक/सीएएएमसीएल/2024/2674 दिनांक-20.11.2024

शराब बिक्री हेतु दुकानों को भाड़े पर लिए जाने बाबत् तृतीय लघु निविदा सूचना

जिले के देशी/विदेशी मदिरा दुकान मुड़ापार के लिए वर्तमान परिक्षेत्रांतर्गत आपत्तिरहित स्थल पर भवन किराये पर लेने तृतीय निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की शर्तें एवं निविदा फार्म दिनांक 29.11.2024 तक कार्यालय सहायक आयुक्त आबकारी कक्ष क्रमांक 17 से प्राप्त कर सकते हैं। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 02.12.2024 समय दोपहर 2:00 बजे तक नियत है तथा दिनांक 02.12.2024 को ही सायं 4:00 बजे तकनीकी निविदा खोली जावेगी। उक्त दिवस को अवकाश होने पर आगामी कार्य दिवस मान्य होगा।

सहायक आयुक्त आबकारी
हेतु-कलेक्टर
जिला-कोरबा (छ.ग.)

जी/242503943/4

अच्छे कर्म से देवताओं को अमृत की प्राप्ति हुई थी - पकंजा-प्रज्ञा

जांजगीर-चाम्पा। जिला पंचायत जांजगीर-चाम्पा के सभापति एवं भाजपा नेता राजकुमार साहू के चाम्पा स्थित निवास में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में कथा सुनाते हुए कथावाचिक पकंजा-प्रज्ञा दीदी ने अपनी अमृतमय वाणी से कहा कि जीवन में अच्छा कर्म करनी चाहिए ताकि हमें लक्षय की प्राप्ति हो सके। जैसे अच्छे कर्म से देवताओं में अमृत की प्राप्ति हुई थी। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव व भगवान श्रीकृष्ण के बाल लीला की कथा सुनाते हुए बताया कि जब प्रभु का अवतार हुआ तब वे चार भुज लेकर अवतार हुए जैसे भगवान श्रीराम जी अवतार हुआ था।

बाद में लीला करने के लिये भगवान बाल गोपाल बाल रूप धारण किये। एक कथा में पकंजा दीदी ने कहा कि भगवान की सेवा करने के लिये मेवा की प्राप्ति होती हैं। उन्होंने आगे की कथा में बताया कि माता यशोदा को पता नही था कि भगवान बाल गोपाल का अवतार हुआ है। जब माता यशोदा चादर उठा कर देखी तो देखी बाल गोपाल उनके गोद में खेल रही थी। इधर नंद बाबा कमरे के बाहर 108 बार हरि हरि शरण जप रहे थे। जब उन्हें जानकारी हुए उनके यहाँ बाल गोपाल का जन्म हुआ तो नंद बाबा दौड़े दौड़े जाकर यमुना नदी में 108 बार डुबकी लगाकर, नए वस्त्र धारण करके लल्ला के दर्शन करने पहुँचे। खुशी में लोगो हीरा, मोती लुटा रहे थे। खुशी के मारे एक द्वार से सोना, चांदी, हीरा, तिल सहित गुप्त दान करे थे।

इधर माता रोहणी बलदाऊ भईया को लेकर भगवान श्रीकृष्ण जी के पास ले गये। माता रोहाणी खुशी के मारे नाचते गाते बोली जुग जुग जिए तेरो लाल। इधर मथुरा में जब महराज कंश को श्रीकृष्ण के जन्म की जानकारी पड़ी तब तत्काल अपने राज महल में भगवान श्रीकृष्ण को मारने का योजना बनायी गयी। तब पूतना आयी और महराज कंश से बोली इसकी जवाबदारी मुझे दिया जाए और पूतना भगवान बाल गोपाल के पास दूध पिलाने पहुँची और पुतना काल के गाल में समा गयी। इसी तरह बाल गोपाल श्रीकृष्ण पुतना का वध कर उसका उद्धार किया।

यजमान के रूप में शिवकुमार साहू व श्रीमती खिलेश्वरी साहू बैठे हुए है। आज के कथा सुनने वालों में जनपद सदस्य राजेश कश्यप, चाम्पा के पूर्व पार्षद श्रीमती अंजूलता राठौर, इंग्लिश सिंह, हरीश कुमार राठौर, महेश राठौर, बंशी साहू, श्रीमती वीना साहू, लक्ष्मण साहू, जगमोहन साहू, गिरधर साहू, रामाधार साहू, मिठाईलाल साहू, पुनीराम साहू, शांतिलाल साहू, बंशीलाल साहू, जीवनलाल साहू सहित बड़ी संख्या में लोग कथा सुनने रहे थे।

सेवा सहकारी समिति डभरा के अध्यक्ष बने लीलाम्बर

चांपा। नगर पंचायत डभरा के पूर्व उपाध्यक्ष लीलाम्बर सिंह जगत को सेवा सहकारी समिति मर्यादित पंजीयन क्रमांक 1936 डभरा का अध्यक्ष बनाया गया है। सहकारी संस्थान जांजगीर के उप पंजीयक ने आदेश जारी करते हुए लीलाम्बर सिंह जगत को सेवा सहकारी समिति मर्यादित डभरा क्रमांक 1936 का अध्यक्ष नियुक्त किया है। लीलाम्बर सिंह जगत एक सामाजिक कार्यकर्ता है। वे नगर पंचायत डभरा के अनेकों बार पार्षद रहने के साथ ही नगर पंचायत के उपाध्यक्ष भी रहे हैं। इसके अलावा तहसील डभरा के वर्तमान में गोड़ सिदार समाज के अध्यक्ष भी है।

अनमोल वचन.....

शालीनता से बात करिए जनाब
इज्जत मुफ्त में मिलेगी!

थाली में भी कटौती करने पर मजबूर

महंगाई बढने् और उसके अनुरूप आमदनी ना बढने् पर पहली कोशिश भोजन को अप्रभावित रखने की होती है। जब भारत में बहुत से लोग थाली में भी कटौती करने पर मजबूर हैं, तब बाकी उपभोग पर उसकी मार पडऩा लाजिमी है। मार्केट रेटिंग फर्म क्राइसिल की थाली की लागत के बारे में ताजा रिपोर्ट फिर से इस हकीकत पर रोशनी डालती है कि भारत में आम इनसान की जिंदगी कितनी मुहाल होती जा रही है। क्राइसिल का ताजा अनुमान है कि सिर्फ एक महीने- अक्टूबर में शाकाहारी थाली की औसत लागत 20 प्रतिशत बढ़ी। बढ़ोतरी का ये सिलसिला लंबा हो चुका है। मांसाहारी थाली की लागत में पिछले महीनों में जरूर कुछ गिरावट देखी गई थी, लेकिन वो सिलसिला अक्टूबर में टूट गया। बीते महीने मांसाहारी थाली की लागत पिछले वर्ष के अक्टूबर की तुलना में पांच प्रतिशत बढ़ गई।

क्राइसिल के मुताबिक थाली की कुल कीमत में सब्जियों का हिस्सा 40 प्रतिशत होता है। अक्टूबर में प्याज और आलू के दाम में क्रमशः 46 और 51 फीसदी का इजाफा हुआ। अक्टूबर 2023 में टमाटर औसतन 29 रुपये किलोग्राम उपलब्ध था, जबकि बीते अक्टूबर में यह औसतन 64 रुपये किलो बिका। बेशक इन सब्जियों के दाम आने वाले हफ्तों में गिरेंगे। उससे थाली की औसत लागत में राहत मिल सकती है। मगर अक्टूबर में दालें 11 प्रतिशत और खाद्य तेल 10 प्रतिशत महंगे हुए। ऐसी वस्तुओं की कीमत में जो वृद्धि हो जाती है, वह शायद ही कभी आगे जाकर घटती है। सिर्फ अक्टूबर की इस सूरत से समझा जा सकता है कि आम लोगों के आम उपभोग में क्यों गिरावट आई है, जिससे अब कॉरपोरेट सेक्टर की बड़ी कंपनियों की बिक्री भी प्रभावित होने लगी है। किसी भी परिवार में महंगाई बढऩे और उसके अनुरूप आमदनी ना बढऩे पर पहली कोशिश भोजन को अप्रभावित रखने की होती है। जब भारत में बहुत से लोग थाली में भी कटौती करने पर मजबूर हैं, तब बाकी उपभोग पर उसकी मार पडऩा स्वाभाविक है।

मगर दुखद यह है कि इस थाली की प्रभु वर्ग में किसी को चिंता नहीं है। राजनीतिक दलों में जाति और मजहबी पहचान की सियासत से चुनावों में अपनी बैतरणी पार करने का भरोसा अटूट बना हुआ है, जबकि मीडिया का सारा विमर्श इस सायास कोशिश से प्रेरित है कि ऐसे मुद्दों को चर्चा से दूर रखा जाए। नतीजा आम लोग भुगत रहे हैं।

राशिफल

मेष राशि: आज रिश्तेदारियों को सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी लेकिन सफलता जरूर मिलेगी। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात हो सकती है। खर्चाओं में बढ़ोतरी होगी, साथ ही खर्च में वृद्धि की संभावना है, छोटे-मोटे उपाय: यात्रा आएगे। कार्यस्थल में उच्च अधिकारियों व सहयोगियों का पूरा साथ आपको मिलता रहेगा।

वृष राशि: आज अपने कार्य पर ध्यान लगाएंगे तो आय में वृद्धि होगी, कठिन परिश्रम ही आपकी सफलता की चाबी है। वित्तीय मामलों से जुड़े फैसले कुछ समय के लिए टाल दें। प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए समय अनुकूल है। आप कार्यक्षेत्र में भी बेहतर कार्य करेंगे। कई दिनों से चली आ रही परेशानी हल मिल सकता है।

मिथुन राशि: आज आपके परिवार के सदस्यों को आनंद देना और एक साथ बांधे रखना आपके लिये थोड़ा मुश्किल होगा, लेकिन आप सफल हो जाओगे। किसी के मनोबल और वास्तविक सहयोग के बिना परिस्थिति का सामना करना आपके हित होगा। अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिये छोटी छुट्टी लोगें।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। कई तरह की व्यक्तिगत गतिविधियों में ही दिन व्यतीत हो जाएगा। आज आपका भाग्य आपके साथ है, कार्य स्थल पर प्रमोशन या प्रशंसा मिलने के आसार हैं, व्यवापार में नई संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। जॉब की तलाश कर रहे लोगों को मंजिल मिलेगी।

सिंह राशि: आज लंबे समय से जिस परीक्षा या टेस्ट के नतीजों का आप इंतजार कर रहे थे, वो आज आपको मिल सकता है, नतीजे आपके पक्ष में ही होंगे। जॉब क्षेत्र करने का प्रयास न करें, नौकरी में स्थानांतरण की सूचना मिल सकती है। निवेश करने के लिए अच्छा नहीं है, धनागमन होगा परन्तु खर्च में बढ़ोतरी भी होगी।

कन्या राशि:आज कोई अच्छी खबर वित्त प्रसन्न कर देगी। किसी लाभकारी योजना का मसौदा बनेगा। किसी विशिष्ट अध्ययन में समय व्यतीत होगा। आनन्द की प्राप्ति होगी। आपका व्यापार वांछित कई सफलता का दुरुपयोग करेगा। रिश्तेदारियां सेवा आने वढ़ेगा। मन में ग्लानि का अनुभव होगा। पुरानी समस्या खत्म होगी। ऋण मुक्ति का प्रयास सफल होगा। करियर में सतर्क रहें।

तुला राशि:आज रुका हुआ धन प्राप्त होगा। संतान से भी सुख प्राप्त होगा। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आपके करियर में संतुष्टि मिलेगी। विदेश से सम्पर्क लाभ प्रदान करेगा। रुकावट का रूकावटें आपके रिश्तेदारों की संख्या में इजाफा करेगा। पारिवारिक प्रेम और आनन्द में वृद्धि के योग हैं। आज आपकी नये वाहन की रूपरेखा बनेगी। किसी चिर प्रतीक्षित कार्य में सफलता संभव है।

वृश्चिक राशि: वालों आज करियर में प्रदर्शन सुधारने का प्रयास रंग लावेगा। कोई वादा उम्मीद जगावेगा। मौलिक विचार नया द्वार खोलेगा। आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि कारक होगा। हौसले को उड़ान मिलेगी। किसी की सहायता से कर्ज से मुक्ति की राह निकलेगी। पारुकल और मौलिक विचार आर्थिक समृद्धि प्रदान करेंगे।

धनु राशि: आज विनम्रता से लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा। किसी पुराने निवेश की अच्छी कीमत मिलेगी। किसी पुराने मित्र से सम्पर्क उत्साह भर देगा। सेहत का ध्यान रखें। आज आपको अनुकूल दिन का आनंद मिलेगा, आज अपने संभावित समाधान करने के लिए पर्याप्त गुंजाइश नहीं होगी। आज अच्छा समय है एक नया वाहन खरीदने के लिए। आप आत्मवादी और आप के आस-पास सभी मिलनसार दिखाई देंगा। कुछ प्रभावशाली लोगों से मिलने के लिए आज मौका है।

मकर राशि: आज आपके भाग्य का पूरा साथ आपको प्राप्त होगा। जो जातक नौकरी परिवर्तन के बारे में सोच रहे हैं उनके लिए समय अनुकूल होगा। उपहार व सम्मान में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग होगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। निजी संबंधों में निकटता आएगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा।

कुंभ राशि: आज आप वाणी उच्चारण और अपने जीवन के दो क्षेत्रों में सक्रिय रहेंज में महत्वपूर्ण होगा। जीवन में अपनी प्रगति के विषय में सभी मामलों में एक नई चमक होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए अमंग से भरा रहने वाला है। विज्ञनेस में लाभ के लिए मदद लेनी होगी। वाद विवाद से दूर रहें। काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा, छात्रों का दिन अच्छा रहेगा,आर्थिक रूप से सफलता मिलेगी।

ट्रंप के साथ एलन मस्क की जबरदस्त जुगलबंदी

//श्रुति व्यास//

पिछले कुछ महीनों से ट्रंप के साथ अगर कोई जबरदस्त जुगलबंदी कर रहा था तो वे थे एलन मस्क। राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान सबसे बढ़-चढ़कर लफ्फाजी करने वालों में मस्क अग्रणी थे।ट्रंप की एक रैली में उछल-कूद मचाते हुए उन्होंने दावा किया था कि वे न केवल मागा हैं बल्कि वे एक बर्बर डार्क गौथिक मागा हैं। ट्रप के पक्ष में माहौल बनाने के लिए मस्क ने एक्स' का भरपूर इस्तेमाल किया। उन्होंने ट्रंप समर्थकों और उनकी टीम को अपनी बात कहने के लिए एक्स का मंच दिया।

मस्क ने खुद के एक्स एकाउंट पर जो रोगन के साथ उनके उस पॉडकास्ट का प्रसारण किया जिसमें वे मागा और डोनाल्ड ट्रंप का गुणगान कर रहे हैं और यह बता रहे हैं कि वे ट्रप के कितने बड़े मुरीद हैं।

गौरतलब है कि एक्स पर मस्क के 20 करोड़ फालोअर हैं। मस्क ने अमेरिका के स्विंग राज्यों (वे राज्य जहाँ दोनों पार्टियों के समर्थकों की संख्या लगभग सामान है) में पंजीकृत प्रत्येक मतदाता को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और हथियार रखने के अधिकार के पक्ष में एक याचिका पर हस्ताक्षर करने के बदले 47 डालर देने की घोषणा भी की थी।सीधे शब्दों में कहा जाए तो उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप का पूरा समर्थन किया और उनके चुनावी अभियान पर अपना धन भी लुटाया। उन्होंने अपने प्रभाव और अपने अकूत धन, दोनों को ट्रप को समर्पित कर दिया। जाहिर है कि वे परोपकार तो कर नहीं रहे थे। अब वे यह उम्मीद कर रहे होंगे कि उनके समर्थन का ईनाम उन्हें मिलेगा। वे चाहेंगे कि टेस्ला, स्पेस एक्स और उनके अन्य कारोबारों में हो रही गड़बडिय़ों को नियामक संस्थाएं नजरअंदाज करें या कम से कम उन पर सख्त रूख अख्तियार न करें। ट्रप ने भी दरियादिली दिखाई और जीत बाद दिए गए भाषण में कहा, एक नए सितारे का उदय हो गया है जिसका नाम है एलन।इसके फौरन बाद टेस्ला का शेयर करीब 15 प्रतिशत चढ़ गया और उस दिन वह एसएंडपी सूचकांक के सबसे ज्यादा बढऩे वाले शेयरों में से एक बना।इससे मस्क की कुल संपत्ति में 20 बिलियन डालर का इज़ाफा हुआ और वह बढ़कर 285 बिलियन डालर हो गई। ज्ञानीजन कयास लगाने लगे कि क्या वे दुनिया के पहले ऐसे व्यक्ति बनने की राह पर हैं जिसकी संपत्ति 1000 बिलियन डॉलर से अधिक हो। मस्क एक्स की खातिर कुछ भी करने से पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने जनमत को ट्रंप के पक्ष में करने के लिए एक्स के मालिक के तौर पर बहुत बड़ा राजनैतिक और व्यावसायिक दांव खेला है।इसलिए ट्रंप की जीत एक्स के लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकती है। ट्रंप के शासनकाल में एक्स को एक ऐसे मंच का दर्जा मिल सकता है जिसे अमेरिका के राष्ट्रपति का समर्थन हासिल है जिससे उसका प्रभाव और बढ़ जाएगा। ऐसी अफवाहें हैं कि एक्स का ट्रप के प्लेटफार्म ट्रुथ्ष सोशल की होल्डिंग कंपनी में विलय हो सकता है। चुनाव की रात मस्क ने अपने करोड़ों फालोअर्स को संबोधित एक पोस्ट में कहा था कि, अब आप ही मीडिया हैं। यह देखा जाना बाकी है कि मस्क के व्यवसायिक साम्राज्य की संघीय जांचों का अब क्या होता है। बाइडन प्रशासन के दौरान नियामक संस्थाओं द्वारा मस्क की कंपनियों की जांच-पड़ताल काफी बढ़ गई थी। न्याय विभाग, सिक्युरिटी एंड एक्सचेंज कमीशन, नेशनल लेबर रिलेशन बोर्ड, पर्यावरण संरक्षण एजेंसी और संघीय व्यापार आयोग सभी ने उनकी कंपनियों की जांच शुरू कर दी थी।लेकिन जीत के बाद दिए गए अपने भाषण में ट्रप ने मस्क की ओर इशारा करते हुए कहा, हमें अपनी प्रतिभाओं को संरक्षण देना होगा। हमारे पास ये ज्यादा संख्या में नहीं हैं। मस्क को ट्रंप के सत्ता में आने से फायदा होगा इसमें कोई शक नहीं। उन्हें अपनी वफादारी का ईनाम मिलेगा। उन्हें सरकारी ठेके बिना ज्यादा जांच-पड़ताल के मिलेंगे। इस बात की भी संभावना है कि उन्हें सरकार में कोई पद दे दिया जाए।चुनाव प्रचार के दौरान मस्क ने कहा था कि एक शासकीय कार्यकुशलता आयोग' का गठन किया जाना चाहिए जो संघीय सरकार के सभी कार्यकलापों का लेखा-जोखा रखे। यह बात उन्होंने सबसे पहले एक्स पर ट्रंप के साथ हुई चर्चा के सीधे प्रसारण के दौरान कही।मस्क ने कहा था कि यह आयोग यह सुनिश्चित कर सकता है कि करदाताओं का धन ठीक से खर्च किया जाए'। हाल में ट्रंप ने घोषणा की कि वे ऐसा आयोग बनाएंगे और उसका जिम्मा मस्क को सौंपा जाएगा।

इस शासकीय आयोग के प्रमुख के तौर पर मस्क का संघीय संस्थाओं पर अच्छा खासा दबदबा रहेगा और किसे कितना बजट दिया जाए, यह तय करने में भी उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी।ट्रंप ने इस बात का विस्तार से खुलासा नहीं किया है कि इस आयोग की कार्यप्रणाली क्या होगी और उसे कितनी स्वायत्ता हासिल होगी। हालांकि उन्होंने जोर देकर कहा है कि वह बजट में भारी कटौती करने के तरीके सुझाएगा। मोटे तौर पर कहा जा सकता है कि मस्क की बल्ले-बल्ले हो जाएगी। लेकिन यह गहरी मित्रता आखिर कब तक चलेगी। ट्रप नहीं चाहेंगे कि उन्हें सुर्खियां किसी और के साथ साझा करनी पड़ें। मस्क का भी हमेशा सुर्खियों में बने रहने का अरमान रहता है।दोनों ही व्यापारी हैं जो हर रिश्ते और मित्रता को लाभ-हानि के तराजू पर तौलते हैं। दोनों ही बहुत अस्थिर मिजाज वाले हैं। और जैसे दो समान आवेश वाली चीजें एक दूसरे को प्रतिकर्षित करती हैं, वैसे ही एक से मिजाज और अहं वाले दो व्यक्तियों के बीच दोस्ती टूटने में देर नहीं लगती। दोस्ती कब नफरत में बदल जाए कहा नहीं जा सकते। जब तक ऐसा नहीं होता तब तक मस्क ट्रंप के राष्ट्रपति होने से लाभान्वित होते रहेंगे।

क्या हम कभी ताजगी से महकती हवा में गहरी सांस ले पाएंगे

//श्रुति व्यास//

क्या दिल्ली में अब कभी वह सर्दी आएगी जो पहले आती थी। वह सर्दी जिसमें हम दिल्लीवासी साफ़ हवा में सांस लेते थे। क्या सर्दियों में नीला आकाश देखने को मिलेगा। क्या हम कभी ताजगी से महकती हवा में गहरी सांस ले पाएंगे। दिल्ली को पहली बार 2016 में अहसास हुआ कि हवा जहरीली हो सकती है। उस साल दिल्ली पर पहली बार धुंध की एक बड़ी-सी चादर छा गई थी। हाहाकार मचा और असंतव्यस्तता के हालात बने। उस समय हम न तो वायु प्रदुषण से जुड़े शब्दों (जैसे एक्यूआई) को समझते थे, ना इसके दुष्प्रभाव को और ना ही इसके अंतिम नतीजों को।

इसके एक साल पहले, 2015 में न्यूयार्क टाईम्स के दक्षिण एशिया संवाददाता गार्डिनर हैरिस ने एक लेख लिखा था जिसका शीर्षक था दिल्ली अपनी सांस रोक ले।इस लेख में जो कहा गया था, वह अंततः सही सिद्ध हुआ। लेकिन उस समय उसकी बहुत आलोचना हुई थी और उसे एक डरावनी कल्पना से अधिक कुछ नहीं माना गया था। मगर आज उस लेख की भविष्यवाणी, दिल्ली की भयावह हकीकत है। सन् 2016 में एक्यूआई 372 था, जो वायु प्रदूषण का खतरनाक' स्तर होता है। तब मैंने एक एयर प्यूरीफायर खरीदा था। लेकिन मैं यह नहीं जानती थी कि आठ साल बाद मुझे अकेले अपने घर में साफ हवा में सांस लेने के लिए दो एयर प्यूरीफायरों की जरूरत होगी।उस समय इवन-आड (जिन गाडिय़ों के नंबर विषम हैं, उन्हें एक दिन और जिनके सम हैं, उन्हें अगले दिन सड़क पर चलने की इजाजत देना), डीजल वाहनों पर प्रतिबंध, ट्रकों के शहर में प्रवेश पर पाबंदी, स्कूलों की छुट्टी आदि जैसे छोटी अवधि के लिये कारगर उपाय लागू किए गए।मगर इनसे दिल्ली निवासी खुश नहीं थे। आज दिल्ली में प्रदूषण का स्तर उस समय से बहुत ज्यादा है लेकिन उससे निपटने के लिए वही पहले वाले उपाय लागू हैं।

बस फर्क यह है कि इन उपायों को एक आधिकारिक नाम दे दिया गया है जीआरएपी 4। दिल्लीवासी तब की तरह आज भी इन कदमों से खुश नहीं हैं। लेकिन उनके पास कोई चारा नहीं है। इन हालातों के लिये वे स्वयं जिम्मेदार हैं।हम साल-दर-साल इस भयावह प्रदूषण का सामना करते रहे लेकिन कहीं कोई गुस्सा नजर नहीं आया। हर सुबह कोई-न-कोई न्यूज एजेंसी धुंध में लिपटी दिल्ली की तस्वीरें और वीडियो ट्वीट करती है और उसके बाद ले देकर राजनीति शुरू हो जाती है।दिल्ली में यह संकट इसलिए और गंभीर रूप अख्तियार करता जा रहा है क्योंकि यहाँ मुफ्त बिजली और मुफ्त पानी तो चुनावी मुद्दे हैं, मगर प्रदूषण नहीं है।और क्यों हो। दुर्भाग्यवश आम दिल्लीवासी मुफ्त बिजली और मुफ्त पानी ही चाहता है। लोग समय से पहले बीमारियों से घिर रहे हैं मगर कोई सरकारों से यह नहीं कहता कि इस मुद्दे पर वे गंभीर रूख अपनाएं।कोई सरकारों से मांग नहीं करता कि उसे सांस लेने के लिए साफ़ हवा उपलब्ध करवाई जाए। पिछले आठ सालों में हवा किस हद तक प्रदूषित हो चुकी है यह सबको महसूस है। सड़क के पार की इमारतें तक नजर नहीं आतीं, डड़ानों में देरी हो रही है या उन्हें रद्द करना पड़ रहा है, छोटे-छोटे बच्चों को नेबुलाइजर का इस्तेमाल करना पड़ रहा है और बड़ों को खांसी की दवाईयों का।यह सब आम हो चला है। लेकिन इसके बावजूद जनाक्रोश कहीं नहीं है ऐसा जनाक्रोश जो सरकारों को हालात में बदलाव लाने के लिए मजबूर करे। अब बच्चा-बच्चा पीएम 2.5 का मतलब जानता है। और लोगों की सेहत पर इसका गंभीर दुष्प्रभाव पड़ रहा है। शोधों से अब साबित हो गया है कि प्रदूषित हवा में सांस लेने से टाईप 2 डाईबीटीज का खतरा बढ़ जाता है। एक अन्य अध्ययन में यह पाया गया है कि दिल्ली के लोगों के पीएम 2.5 के औसत वार्षिक एक्सपोजऱ (92 माइक्रो ग्राम प्रति क्यूबिक मीटर) के कारण रक्तचाप में बढ़ोत्तरी हो रही है और हाइपरटेंशन का रोग होने की संभावना बढ़ गई है। प्रदूषण का शरीर में कोलेस्ट्रोल और विटामिन डी के स्तर, लोगों के स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न पहलुओं जैसे जन्म के समय वजन, गर्भवती स्त्री के स्वास्थ्य, किशोरों में इंसुलिन प्रतिरोध और अल्झाइमर व पार्किन्संस होने की संभावना आदि पर क्या प्रभाव होता है, इस पर भी अध्ययन किए जा रहे हैं।

एक सोच यह भी है कि प्रदूषित वायु से मनुष्यों का मूड बिगड़ता है, जिससे आत्महत्या का विचार मन में आने की संभावना में बढ़ोत्तरी होती है। लेकिन इस मामले में दिल्लीवालों के ढीले-ढाले रवैये को देखकर ऐसा लगता है कि वे साफ़ हवा को ऐसा मुद्दा ही नहीं मानते जिसके लिए उन्हें संघर्ष करना चाहिए, लडऩा चाहिए। औद्योगीकरण की राह चुनने वाले सभी राष्ट्र एक-न-एक दिन अपने आप को एक दोराहे पर पाते हैं। उन्हें समझ आता है कि प्रगति' और पर्यावरण में से उन्हें एक को चुनना होगा। प्रगति' हर शहर और उसके लोगों से अपनी कीमत वसूलने लगती है। औद्योगिक क्रांति के बाद यूरोप में यही हुआ।

अमेरिका को अपनी हवा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में 25 से 35 साल लगे। लास एंजिल्स शहर अपनी हवा को साफ़ करने में 1950 के दशक से जुटा हुआ है मगर अब तक संघीय सरकार द्वारा निर्धारित मानकों तक नहीं पहुंच सका है। चीन में प्रदूषण से लड़ाई जारी है।चीन जल्दी में है क्योंकि उसने युद्ध काफी देर से शुरू किया है। मगर उसने बहुत जल्दी नतीजे हासिल कर लिए हैं।लेकिन दिल्ली में तो अभी जंग तक एलान तक नहीं किया गया है न जनता द्वारा और ना ही उसके प्रतिनिधियों द्वारा। निगरानी ढीली-ढाली है और संबंधित कायदे-कानूनों पर सख्ती से अमल नहीं किया जा रहा है। प्रदूषण के स्त्रोतों से निपटने के लिए कड़े नियम बनाने और एक परिष्कृत और अनवरत चलने वाली रणनीति अपनाने में किसी की रूचि नहीं है।रिपोर्ट के अनुसार पिछले दो दशकों से दिल्ली धुंध से लड़ाई में लगातार मात खाता आ रहा है। सन 1990 के दशक में जब वायु प्रदूषण पहली बार एक चिंता का मुद्दा बना, तब सीएनजी का इस्तेमाल शुरू किया गया, कारखाने दिल्ली से हटाकर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में भेजे गए और मेट्रो पर काम शुरू हुआ।लेकिन जैसे-जैसे दिल्ली बड़ी होती गई, आबादी बढ़ती गई, ये उपाय बौने नजऱ आने लगे। फोकस प्रगति' पर था। और बड़े, और ऊंचे शहर, और हाईटेक शहर पर था।

मगर इससे होने वाले प्रदूषण से निपटने के लिए कुछ नहीं किया गया। एक्सप्रेसवे बनाये गए ङ्क जिन पर कारें ईलीकाप्टर की स्पीड से दौड़ती हैं मगर पैदल चलने वालों और साइकिल चलाने वालों के लिए सड़कों पर कोई जगह नहीं थी।सिंगापुर में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स खरीदने वालों को सरकार अनुदान देती है। मगर हमारे यहाँ सरकारें मुफ्त रेवड़ियाँ बाँट रही हैं। सरकारी तंत्र, प्रदूषण से निपटने के काम को कोई खास तवज्जो नहीं देता।बीच-बीच में सुप्रीम कोर्ट के जगाने पर वह कुछ देर के लिए जागता है और फिर राजनीति उसे लोरी सुनाकर निद्रामग्न कर देती है। रिपोर्ट के अनुसार, 2010 से लेकर 2015-16 के अवधि में केंद्र और राज्य दोनों सरकारों ने प्रदूषण से निपटने के लिए बहुत कम ठोस कदम उठाए।मगर प्रदूषण के स्त्रोत बढ़ते गए और रिकॉर्ड स्तर तक पहुँच गए दिल्ली के अन्दर (वाहन और शहर का ठोस कचरा) भी और एनसीआर (निर्माण और उद्योग) में भी। आज दिल्ली में रहना मुहाल हो गया है। सांस लेना मुश्किल हो गया है। नीला आसमान केवल कविता-कहानियों में बचा है। मगर अधिकांश लोगों को कोई परवाह नहीं है। सब कुछ सामान्य है। यमुना का पानी ज़हर बन गया है। मगर सियासी दांवपेंच जारी हैं।आईक्यू एयर के अनुसार, दिल्ली इस वक्त दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर है। दिल्ली का एक्यूआई 1,156 है। एक्यूआई 335 के साथ कोलकाता तीसरे नंबर पर है, और मुंबई नौवें स्थान पर। वहां का एक्यूआई 165 है। इस प्रकार, दुनिया भर के सबसे प्रदूषित 10 महानगरों में से तीन भारत में है। मगर विश्वगुरु को कोई परवाह नहीं है। वह तो प्रगति' का दीवाना है और बड़ा, और ऊंचा। कचरा। उसे तो हम कल साफ़ कर लेंगे। मगर वह नहीं समझ रहा है कि कल तो आज ही है- और आज न होगा तो कल भी न होगा।

तस्वीरों की दुनिया

नालंदा के राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में चीन के खिलाफ फाइनल हॉकी मैच जीतने के बाद ट्रॉफी के साथ जश्न मनाती भारतीय खिलाड़ी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वियनतियाने, लाओ पीडीआर में 11वीं आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लिया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में के रांजय मूर्ति को भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के रूप में शपथ दिलाई।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुयाना में राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली से गुयाना का सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार, द ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस प्राप्त

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुयाना के जॉर्जटाउन में भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन को संबोधित किया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विएंतियाने में 11वीं आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान न्यूजीलैंड की रक्षा मंत्री जूडिथ कोलिन्स से मुलाकात की।

दिल्ली में पांच दिन बाद AQI 400 के नीचे, हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में

नईदिल्ली, 22 नवंबर [एजेंसी]।

राजधानी में स्मॉग से भरी प्रदूषित हवा से लोगों को राहत मिली है। स्मॉग छटने और कोहरे से भी राहत रहने से गुरुवार को एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) में गिरावट हुई। इससे प्रदूषण के स्तर में सुधार हुआ है। इससे लोगों ने पिछले दिनों के मुकाबले ज्यादा साफ हवा में सांस ली। आसमान भी पूरे दिन साफ रहा। दिन में गुनगुनी धूप खिली रही। लोग ऐतिहासिक स्थलों पर सामान्य दिनों की तरह घूमते नजर आए और बच्चे भी घर से बाहर निकलकर खेलते दिखे। स्विस कंपनी के एप आईक्यूएयर के एक्यूआई का डाटा भी हवा की गुणवत्ता में हुए सुधार की तरफ इशारा कर रहा है। वहीं केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार पांच दिन बाद बृहस्पतिवार को दिल्ली का एयर इंडेक्स घटकर 400 से नीचे तो आ गया है लेकिन लेकिन हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में बताया है।आईक्यूएयर एप ने दिल्ली में दिन में 11.30 बजे दिल्ली का एक्यूआई 326 बताया। बाद में हवा की गुणवत्ता में सुधार होने से शाम साढ़े बजे बजे दिल्ली का एक्यूआई 186 बताया। सीपीसीबी द्वारा निर्धारित मानक के अनुसार एक्यूआई 186

होने पर हवा की गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में मानी जाती है। आईएक्यूएयर एप ने द्वारका सेक्टर आठ में एयर इंडेक्स सबसे अधिक 296 बताया।दूसरी ओर सीपीसीबी द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली का औसत एक्यूआई बेहद खराब श्रेणी में 371 रहा। इसके एक दिन पहले दिल्ली का एयर इंडेक्स गंभीर श्रेणी में 419 था। इसके मुकाबले एयर इंडेक्स 48 अंक कम हुआ। सीपीसीबी के अनुसार सुबह में दिल्ली में 12 जगहों पर एक्यूआई 400 से अधिक था। बाद में एक्यूआई में सुधार हुआ। इससे शाम साढ़े पांच बजे दिल्ली के 35 प्रदूषण निगरानी केंद्रों में से छह जगहों पर एयर इंडेक्स 400 से अधिक रहा। जहांगीरपुरी का एयर इंडेक्स सबसे अधिक 433 व वजीरपुर का एयर इंडेक्स 427 था। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी देश के 253 एयर इंडेक्स रिपोर्ट के अनुसार देश में हाजीपुर का एक्यूआई सबसे अधिक 403 रहा। इसके बाद दिल्ली का एक्यूआई ज्यादा रहा।

सीपीसीबी के अनुसार एनसीआर के सभी प्रमुख शहरों में बृहस्पतिवार को एयर इंडेक्स खराब श्रेणी में 300 से नीचे आ गया। इसलिए दिल्ली के मुकाबले एनसीआर के शहरों में प्रदूषण से अधिक राहत रही। सीपीसीबी के अनुसार दिल्ली में तीन दिन हवा की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रह सकती है। आईआईटीएम पुणे के डिसिजन सपोर्ट सिस्टम (डीएसएस) के डाटा के अनुसार बृहस्पतिवार को दिल्ली के प्रदूषण में वाहनों के उत्सर्जन की भूमिका 17.75 प्रतिशत रही। लेकिन प्रदूषण में पराली के धुएं की भूमिका कितनी रही यह आंकड़ा डीएसएस पर वास्तविक समय में जारी न करके दो दिन बाद जारी हो रही है। 19 नवंबर को दिल्ली के प्रदूषण में पराली के धुएं की भूमिका 22.10 प्रतिशत थी।

अमेरिका में गेट्ज ने अटार्नी जनरल पद के लिए नामांकन वापस लिया, भारी विरोध के बाद छोड़ा मैदान

वाशिंग्टन, 22 नवंबर [एजेंसी]।

पूर्व सांसद मैट गेट्ज ने गुरुवार को ट्रंप प्रशासन के तहत अमेरिका के अटार्नी जनरल पद के लिए अपना नामांकन वापस ले लिया। उनको डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ-साथ अपनी रिपब्लिकन पार्टी की ओर से भी कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा था।फ्लोरिडा के पूर्व सांसद गेट्ज ने कैपिटल हिल पर सीनेटरों से मुलाकात के एक दिन बाद यह घोषणा की। उन्होंने कहा, कल सीनेटरों के साथ मेरी बहुत अच्छी बैठक हुई। मैं उनके विचारशील नजरिये की सराहना करता हूं। उनमें से कई लोगों ने अविश्वसनीय रूप से मेरा समर्थन भी किया। हालांकि, मेरी स्थिति मजबूत थी। लेकिन यह स्पष्ट है कि मेरी पुष्टि अनुचित रूप से ट्रंप के सत्ता हस्तांतरण के महत्वपूर्ण कार्य में बाधा बन रही थी। गेट्ज को कई साथी रिपब्लिकन द्वारा भी नापसंद किया जा रहा क्योंकि उन्होंने पिछले साल पूर्व हाउस स्पीकर केविन मैक्कार्थी को हाउर करने की साजिश रची थी, जिससे सदन कई हफ्तों तक अराजकता में रहा था। सीनेट में रिपब्लिकन यौन दुर्व्यवहार के आरोपों पर हाउस एथिक्स कमेटी की जांच के निष्कर्षों को देखे बिना गेट्ज पर वोट करने के लिए कहे जाने के विचार से नाराज थे।गेट्ज को पिछले सप्ताह अटार्नी जनरल के लिए नामांकित किया गया था और इससे पहले उन्होंने कभी भी न्याय विभाग में काम नहीं किया और न ही सरकार के किसी भी स्तर पर अभियोजक के रूप में कार्य किया। संभावित यौन तस्करी के उल्लंघन के मामले में एफबीआई द्वारा लगभग तीन वर्षों तक उनकी जांच की गई, एक जांच पिछले साल बिना किसी आरोप के समाप्त हो गई।अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने परिवहन मंत्री पद के लिए सीन डफी को चुना है। डफी विस्कांसिन के सांसद रह चुके हैं। वह फाक्स बिजनेस न्यूज के प्रस्तोता हैं। वहीं, वाणिज्य मंत्री के तौर पर ट्रंप वित्तीय कंपनी कैंटर फिट्जगेराल्ड के सीईओ हावर्ड लुटनिक का चयन कर सकते हैं। यही मंत्रालय चीन के टेक सेक्टर को चुनौती देने का ट्रंप का हथियार बन सकता है। ट्रंप ने डफी को परिवहन मंत्री नामित किया और कहा कि वह अमेरिका के हाईवे, टनल, पुल और एयरपोर्ट के पुनर्निर्माण में उत्कृष्टता और सौंदर्य को प्राथमिकता देंगे। वह सुनिश्चित करेंगे कि देश के बंदरगाह और बांध राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता किए गए बगैर अर्थव्यवस्था को मजबूत करें।

वाट्सएप ग्रुप हैक कर छात्राओं के साथ साइबर ठगी, 100 से अधिक लड़कियों को बनाया शिकार, आरोपी गिरफ्तार

अहमदाबाद, 22 नवंबर [एजेंसी]।

स्कूल व कॉलेज की छात्राओं के वाट्सएप ग्रुप को हैक कर गुजरात समेत देश के अन्य राज्यों की 100 से अधिक छात्राओं के साथ साइबर ठगी करने के मामले में गांधीनगर, गुजरात साइबर सेल की टीम ने मध्यप्रदेश अनूपपुर के बदरा गांव के युवक प्रभात कुमार गुप्ता को गिरफ्तार किया है।पूछताछ में पता चला है कि उसके निशाने पर गुजरात व देश के अन्य राज्यों की छात्राओं के वाट्सएप ग्रुप होते थे। अब तक उसने ग्रुप को हैक कर छात्राओं को अलग अलग मैसेज भेजकर पैसों की जरूरत होने का बहाना बना कर 100 से अधिक छात्राओं के साथ आर्थिक धोखाधड़ी की है। गुजरात स्टेट साइबर सेल ने 1930 हेल्पलाइन पर मिली शिकायत के आधार पर सीआईडी क्राइम व रेलवे के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक राजकुमार पांडियन ने आईजी संजय खरात, एसपी धर्मेंद्र शर्मा की टीम को इसकी जांच सौंपी थी।

साइबर सेल की टीम ने अलग-अलग मोबाइल नंबर, बैंक खातों की जांच की तथा आरोपी के मोबाइल नंबर की कॉल डिटेल व अन्य रिकॉर्ड लिया।आरोपित की मोबाइल लोकेशन मध्यप्रदेश बदरा गांव में मिल रही थी, जिसके बाद स्थानीय पुलिस की मदद से आरोपित प्रभात कुमार गुप्ता को पकड़ा गया। पुलिस ने उसके पास से 2 मोबाइल, 11 सिम, 2 पासबुक, 12 डेबिट कार्ड बरामद किये हैं। फुनगा चौकी प्रभारी सुमित कौशिक के मुताबिक प्रभात के खिलाफ अनूपपुर में भी एक केस दर्ज है। वह यूट्यूब के जरिए ऑनलाइन ठगी करने लगा था।

ब्रांच मैनेजर ने फोन पर दी खबर- जल्दी से आ जाओ! बैंक पहुंचते ही शख्स के उड़ गए होश, हो चुका था 81 लाख रुपये का 'खेल'

जालौन, 22 नवंबर [एजेंसी]।

स्टेट बैंक की शहर शाखा से एक बैंक खाता धारक का लॉकर खोल कर उससे 81 लाख रुपये कीमत के जेवर चोरी हो गए। खाता धारक को दोपहर के समय शाखा मैनेजर ने फोन करके जानकारी दी कि तुम्हारा लॉकर खुला हुआ है। सूचना पर खाता धारक बैंक पहुंचा तो देखा कि वहां उसका लॉकर खुला था, उसकी ओर से जो ताला लगाया गया था वह भी मौके पर नहीं मिला। लॉकर के अंदर रखे उसके जेवर के तीन बॉक्स खाली मिले। पीड़ित ने शाम छह बजे कोतवाली पहुंच कर लिखित रूप से इस घटना की शिकायत दर्ज कराई और लॉकर से जेवर चोरी करने का आरोप बैंक मैनेजर सहित दो अन्य कर्मियों पर लगाया है। बैंक मैनेजर ने अपने रीजनल ऑफिस में इस घटना की जानकारी दी है। लॉकर के बाहर लगे कैमरे की फुटेज अभी तक नहीं खंगाली जा सकी हैं। रीजनल मैनेजर का कहना है कि खाता धारक की ओर से लॉकर को पूरी तरह से लॉक नहीं किया गया, इसी कारण वहां किसी अन्य खाताधारक की ओर से उसका लॉकर खोले जाने की संभावना दिख रही है।शहर के मोहल्ला गांधी नगर निवासी अधिवक्ता आनंद स्वरूप श्रीवास्तव ने कोतवाली पुलिस को बताया कि उनका शहर शाखा स्टेट बैंक में लॉकर नंबर 29जी का वर्ष 1980 से संचालन हो रहा है, जिसमें उनके पुश्तैनी सोने व चांदी के तीन डिब्बों में जेवरात रखे हुए थे। इसमें चार सोने के हार वजन 480 ग्राम, 16 सोने की चूड़ी वजन 300 ग्राम, 4 सोने की जंजीर वजन 140 ग्राम, एक सोने का बाजूबंद 55 ग्राम, एक बेंदी सोने की 8 ग्राम, एक नथ सोने की 6 ग्राम, तीन जोड़ी सोने

के टाप्स वजन 25 ग्राम, झाला सोने के एक जोड़ी वजन आठ ग्राम, 10 सोने की अंगूठी वजन 110 ग्राम, एक हाफ पेटी चांदी की वजन 500 ग्राम, 90 चांदी के सिक्के रखे हुए थे, जिनकी कीमत करीब 81 लाख रुपये है। बताया कि 13 अगस्त 2024 को दोपहर में अपना चेक करने गए थे, उसे खोल कर देखा था और बराबर बंद करके आए थे। उस समय जेवरात लॉकर में रखे हुए थे। लाक के अलावा उसमें अलग से ताला लगा दिया था। आरोप लगाया कि लॉकर ऑपरेट करते समय एकाउंटेंट व इनके साथ सहकर्मी भी थे। इन लोगों ने लॉकर ऑपरेट करते समय लॉकर में रखे जेवरात देख लिए थे। गुरुवार की दोपहर दो बजे बैंक कर्मी बलवान सिंह ने फोन कर जल्द बैंक आने को कहा। जब वह बैंक पहुंचे तो देखा कि उनका लॉकर खुला हुआ है और तीन डिब्बों में रखे जेवरात गायब हैं। इसके बाद उन्होंने बैंक मैनेजर अंकित तिवारी से जानकारी की तो वह बोले कि तुम गलती से लॉकर खुला छोड़ गए होगे। वह बैंक में करीब तीन घंटे तक रुके रहे। शाम छह बजे उन्होंने मामले की सूचना उई कोतवाली पुलिस को दी। पीड़ित आनंद स्वरूप श्रीवास्तव ने कहा कि जब वह अगस्त में लॉकर देखने गए थे तो वहां पर प्रणय श्रीवास्तव, मैनेजर अंकित तिवारी व अन्य सहकर्मी भी थे। बैंक से जाने के बाद मैनेजर अंकित तिवारी व प्रणय श्रीवास्तव आदि सभी सहकर्मियों ने ही बैंक के लॉकर की चाबी मिलवाकर 81 लाख रुपये के कीमती जेवरात चोरी कर लिए हैं।स्टेट बैंक सिटी शाखा में हाई सिक्योरिटी सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। सिक्योरिटी गार्ड रात-दिन तैनात रहते हैं और प्रतिदिन लॉकर हाउस को मैनेजर अंकित तिवारी के साथ सभी जिम्मेदार अधिकारी लॉकर चेक करके बैंक बंद करते हैं।

इसके बाद उनके जेवरात चोरी हो गए और बैंक कर्मचारी मामले को दबा रहे हैं।ब्रांच का लॉकर प्रॉपर बंद नहीं किया था। अन्य कस्टमर लॉकर वाले कक्ष में जाते रहते हैं। लॉकर की एक चाबी उपभोक्ता के पास और दूसरी बैंक में रहती है। दोनों चाबियां मिलने के बाद लॉकर खुलता है। उपभोक्ता स्वयं उसको ऑपरेट करके बंद कर चला जाता है। साथ ही उपभोक्ता अलग से भी ताला डाल देते हैं। - अमर पाल, रीजनल मैनेजर, अकबरपुर कानपुर देहात।पूरे बैंक में सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। साथ ही लॉकर कक्ष के बाहर भी कैमरे लगे हैं। आगे की जांच के लिए फुटेज देखे जाएंगे। अभी बैंक की ओर से पुलिस को कोई सूचना नहीं दी गई है।बैंक की ओर से अभी तक कोई सूचना नहीं मिली थी, पीड़ित पक्ष की ओर से मिली लिखित तहरीर के आधार पर मामले की जांच कराई जा रही है, यह चोरी का मामला नहीं है, धोखाधड़ी करके जेवर निकाले गए हैं, बैंक के जिम्मेदार बताएं कि लॉकर से जेवर कहां गए, इसकी गहन जांच कराई जाएगी।

भारत के युद्धक विमानों में हवा में ईंधन भरेगा ऑस्ट्रेलिया हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारतीय सेना को होगा फायदा

नईदिल्ली, 22 नवंबर [एजेंसी]।

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने युद्धक विमानों में हवा से हवा में ही रिफ्यूलिंग करने की व्यवस्था का मन बना लिया है। इससे दोनों देश अपने युद्धक विमानों में उड़ान के दौरान ही ईंधन भर सकेंगे। ऑस्ट्रेलिया से यह सुविधा मिलने से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारतीय सेना की पहुंच बढ़ जाएगी। यह फैसला भारत की रक्षा रणनीति की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष पैट कानरे ने आसियान से इतर द्विपक्षीय बैठक के बाद घोषणा करते हुए कहा कि रायल ऑस्ट्रेलियन एयरफोर्स (आरएएएफ) की यह तैनाती में हवा में युद्धक विमानों की रिफ्यूलिंग की व्यवस्था की जाएगी।ऑस्ट्रेलियाई वायुसेना के केसी 30ए मल्टीरोल टैंकर ट्रांसपोर्ट प्लेन भारत के सैन्य विमानों की रिफ्यूलिंग हवा में ही कर सकेंगे। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि हवा में ईंधन भरने की व्यवस्था का आदान-प्रदान दोनों देश कर सकेंगे। दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ करने का यह अहम कदम साबित होगा।दोनों पक्ष क्षेत्रीय संदर्भों के साथ ही द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को भी अगले स्तर पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ऑस्ट्रेलिया सरकार के अनुसार यह व्यवस्था विगत 19 नवंबर को नई दिल्ली में ऑस्ट्रेलिया और भारत के एयर स्टाफ के बीच हुई बातचीत के बाद पुष्ट हो गई है।इस व्यवस्था का स्वागत करते हुए रायल ऑस्ट्रेलियन एयरफोर्स के उप वायुसेना प्रमुख व वाइस मार्शल हार्वे रोनाल्ड्स ने बताया कि इससे भारत और ऑस्ट्रेलिया के रक्षा संबंध और मजबूत होंगे। आरएएएफ ने भारतीय नौसेना के पी-81 नेप्ट्यून निगरानी विमान के साथ प्रशिक्षण और निगरानी गतिविधियां में भी हिस्सा लिया है।

महिआ में सरकार के नेतृत्व को लेकर तकरार, सीएम पद पर छिड़ी जंग!

मुंबई 22 नवंबर। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के परिणाम आने शेष हैं। लेकिन विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी (मविआ) में सरकार के नेतृत्व को लेकर अभी से अभी से तकरार शुरू हो गई है। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले की यह टिप्पणी कि राज्य में कांग्रेस के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी सरकार बनेगी, सहयोगी शिवसेना को पसंद नहीं आई है। शिवसेना नेता संजय राउत ने बृहस्पतिवार को कहा कि मुख्यमंत्री पद का चेहरा गठबंधन सहयोगी तय करेंगे। राज्य विधानसभा चुनाव के लिए मतदान के बाद बुधवार को पटोले ने कहा था कि महाराष्ट्र में कांग्रेस के नेतृत्व में महाविकास अघाड़ी सरकार बनेगी। क्योंकि रुझानों से पता चल रहा है कि मविआ में कांग्रेस को ही सबसे ज्यादा सीटें मिलेंगी।नाना ने उम्मीद जताई है कि मविआ को करीब 175 सीटें मिलेंगी।

संजय मूर्ति ने सीएजी का पदभार संभाला, राष्ट्रपति भवन में ली शपथ, शिक्षा मंत्रालय जैसे कई पदों पर कर चुके हैं काम

नईदिल्ली, 22 नवंबर [एजेंसी]।

संजय मूर्ति ने गुरुवार को भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) का पदभार संभाला। 1989 बैच के हिमाचल प्रदेश कैडर आईएएस अधिकारी संजय मूर्ति ने गिरीश चंद्र मुर्मु का स्थान लिया है। राष्ट्रपति भवन में समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने संजय मूर्ति को भारत के सीएजी के रूप में शपथ दिलाई। इससे पहले, संजय शिक्षा मंत्रालय में उच्च शिक्षा विभाग के सचिव थे। उन्होंने आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव और राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम के सीईओ और सूचना और प्रसारण मंत्रालय में संयुक्त सचिव के रूप में भी काम किया है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश सरकार में भी महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। केंद्र सरकार ने सोमवार को संजय को नया सीएजी नामित किया। केंद्र ने सोमवार को मूर्ति को भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक नामित किया। उनके शपथ ग्रहण समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सहित अन्य मौजूद थे। केंद्र में अपने कार्यकाल से पहले, मूर्ति ने हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। उनके पास प्रशासनिक, सामाजिक, आर्थिक और बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में व्यापक अनुभव है।

पूरे मणिपुर में अफस्पा लागू करने की उठी मांग, पांच जिलों में कर्फ्यू में दी गई ढील

इंफाल। मणिपुर के दस कुकी विधायकों ने लूटे गए हथियारों की बरामदगी के लिए अफस्पा पूरे राज्य में लागू करने की मांग की है। इन विधायकों में राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के सात विधायक भी शामिल हैं। इस बीच, राज्य के कुछ हिस्सों में दोबारा अफस्पा लागू करने और जिरीबाम में तीन बच्चों व तीन महिलाओं की हत्या के विरोध में इंफाल घाटी में प्रदर्शन किए गए। जबकि राज्य के पांच जिलों में कर्फ्यू में ढील दी गई।केंद्र ने गत 14 नवंबर को हिंसा प्रभावित जिरीबाम सहित मणिपुर के छह पुलिस थाना क्षेत्रों में सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफस्पा) को फिर से लागू कर दिया। एक संयुक्त बयान में दस कुकी विधायकों ने कहा कि पिछले वर्ष तीन मई से मैतैयी विद्रोहियों द्वारा लूटे गए छह हजार से अधिक अत्याधुनिक हथियारों की बरामदगी के लिए पूरे राज्य में अफस्पा लागू किया जाना चाहिए।क्योंकि हिंसा रोकने के लिए यह जरूरी है। इधर, मणिपुर में हिंसा बढ़ने के बीच केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की आठ कंपनियां राज्य की राजधानी इंफाल पहुंच गई हैं। इन्हें संवेदनशील और सीमांत क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इन कंपनियों में से एक महिला बटालियन की है। महाराष्ट्र में चुनावी रैलियों को रद्द कर राष्ट्रीय राजधानी लौटे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लगातार दूसरे दिन मणिपुर के हालात की समीक्षा की। शाह ने राज्य व केंद्रीय सुरक्षा बलों को राज्य में जारी हिंसा को तत्काल रोकने के लिए हरसंभव कदम उठाने का निर्देश दिया। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने केंद्रीय अर्धसैनिक बलों (सीएपीएफ) की अतिरिक्त 50 कंपनियों को राज्य सरकार की मदद के लिए मणिपुर भेजने का निर्णय लिया है।

ममता की बड़ी घोषणा, 12 लाख परिवारों को दिसंबर में मिलेगी आवास की पहली किस्त

कोलकाता, 22 नवंबर [एजेंसी]।

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को केंद्र पर प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत पिछले तीन वर्षों से राज्य को कोई पैसा नहीं देने का आरोप लगाते हुए बड़ी घोषणा की। ममता ने कहा कि 12 लाख लोगों को पक्के आवास के लिए राज्य सरकार अपनी तरफ से पैसा देगी।राज्य सचिवालय नवान्न में पत्रकारों से बातचीत में ममता ने घोषणा की कि इन 12 लाख परिवारों को बांग्ला आवास योजना के तहत 15 दिसंबर से 30 दिसंबर तक पहली किश्त भेज दी जाएगी। ममता ने कहा कि बंगाल में कुल 36 लाख मिट्टी के घर हैं। इनमें से 12 लाख परिवारों को पहले चरण में राज्य सरकार दिसंबर से पहली किश्त की राशि देगी। बाकी 24 लाख परिवारों को भी उन्होंने तीन साल के भीतर आवास के लिए राज्य सरकार की तरफ से राशि देने का वादा किया।ममता ने कहा कि मुझे केंद्र की दया या भीख नहीं चाहिए। मुझे मेरे तरह सरकार चलाने दें। उन्होंने वादा किया कि राज्य के सभी जरूरतमंद लोगों को आवास योजना का लाभ मिलेगा। ममता ने साथ ही कहा कि अगर आवास का पैसा हमलोग दे रहे हैं तो नाम भी हमलोग ही रखेंगे। आवास योजना का नाम बांग्लार बाड़ी होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी गरीबों को पक्का घर मिलेगा। राज्य सरकार कोई भेदभाव नहीं करेगी।ममता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपने नाम पर सरकारी योजनाओं का नाम रखने को लेकर भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि नाम प्रधानमंत्री आवास योजना है, लेकिन 40 प्रतिशत पैसे राज्य सरकार देती है। चुनाव में वे लोग (भाजपा) अपना पोस्टर लगाकर प्रचार करते हैं। शौचालय भी प्रधानमंत्री के नाम से बनता है। उन्होंने कहा कि मेरी मृत्यु होने पर कभी मेरा स्टेच्यू न बनाया जाए।ममता ने इस दौरान यह भी जानकारी दी कि लक्ष्मी भंडार योजना में और पांच लाख सात हजार महिलाओं के नाम शामिल किए गए हैं। दिसंबर से इन महिलाओं को पैसे मिलने लगेंगे।

इससे राज्य को सालाना 625 करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च आएगा। ममता ने कहा कि इनमें सीएम पोर्टल पर करीब 24 हजार महिलाओं ने नाम शामिल करने के लिए आवेदन किया था। इसके अलावा बाकी आवेदन द्वारे सरकार शिविरों के माध्यम से प्राप्त हुए थे।ममता ने कहा कि पांच लाख नए नाम शामिल होने के बाद लक्ष्मी भंडार में कुल लाभार्थियों की संख्या दो करोड़ 21 लाख हो गई है। उन्होंने कहा कि इन महिलाओं को जीवन भर पैसा मिलेगा। ममता ने कहा कि किसी भी योजना पर दूसरे राज्यों में कई शर्तें हैं, लेकिन बंगाल में ऐसा नहीं है। भले ही एक परिवार में चार महिलाएं हैं, लेकिन हम सबको लक्ष्मी भंडार का लाभ दे रहे हैं। बंगाल अभी इस प्रकल्प में देश का माडल है।ममता ने इस दौरान कृषक बंधु योजना के तहत पंजीकृत राज्य के एक करोड़ आठ लाख 95 हजार कृषकों को 2,943 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता देने की भी घोषणा की। ममता ने कहा कि शुक्रवार से पैसे किसानों के खाते में भेजी जाएगी। ममता ने कहा कि इसको लेकर चालू वित्त वर्ष 2024-25 में राज्य सरकार की तरफ किसानों को अब तक 5,859 करोड़ की सहायता दी गई है। पिछले दो साल में 21,134 करोड़ की सहायता देने का उन्होंने दावा किया।

बंगाल में नमाज के समय को लेकर झड़प, कोर्ट ने पुलिस को मस्जिद नियंत्रण में लेने का दिया निर्देश

कोलकाता 22 नवंबर। कलकत्ता हाई कोर्ट ने बंगाल पुलिस को पूर्व मेदिनीपुर जिले के एगरा में एक मस्जिद को अपने नियंत्रण में लेने और प्रवेश को विनियमित करने का निर्देश दिया। मालूम हो कि 13 नवंबर को नमाज के समय को लेकर मस्जिद में दो समूहों के बीच हुई झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी, आठ लोग घायल हो गए थे।बुधवार को न्यायमूर्ति घोष ने चेतावनी दी कि अगर अदालत के आदेश के बाद धार्मिक मुद्दे पर कोई हताहत होता है तो वह वहां सभी धार्मिक गतिविधियां रोक देंगे। हाई कोर्ट ने उस याचिका पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया, जिसमें दावा किया गया है कि टकराव से बचने के लिए प्रतिद्वंद्वी समूहों के लिए मस्जिद में नमाज पढ़ने के लिए सात नवंबर को दिए गए आदेश का उल्लंघन किया गया है।पुलिस ने अदालत को बताया कि हिंसा के संबंध में तीन प्राथमिकी दर्ज की गई हैं और दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष ने निर्देश दिया कि पुलिस अगले आदेश तक मस्जिद को अपने नियंत्रण में लेकर इसमें प्रवेश गएा थाने के प्रभारी निरीक्षक की मंजूरी के अधीन होगा। प्रशासन को जांच करने के बाद 17 दिसंबर तक मामले में एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा।

सर्दियों में सुपरफूड से कम नहीं है आंवला, रोज आंवले का सेवन करें, मिलेंगे अनगिनत फायदे

आयुर्वेद में आंवला को अमृत बताया गया है। सर्दियों में आंवला खाने से कई फायदे मिलते हैं। सुपरफूड से कम नही है आंवला, क्योंकि इसमें कई पोषक तत्व पाए जाते है। पौराणिक मान्यता है कि अमृत मे सभी रस समाहित होते हैं, इसलिए यह अमरता प्रदान करता है। यानी के आंवले में हरड़ में पांच रस होते हैं। इसलिए इसे अमृत के बाद दूसरे स्थान पर रखा गया है। आंवला में विटामिन- सी, ए, कार्बोहाइड्रेट और फाइबर जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व होते हैं, जो एंटी-एजिंग, एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-कार्सिनोजेनिक गुण भी पाए जाते है। इसी वजह से आंवला सेहत के लिए लाभकारी है।

प्रतिदिन एक आंवला खाने के फायदे

इम्यून सिस्टम मजबूत होता

आंवला में सबसे ज्यादा विटामिन सी का सोर्स पाया जाता है। वहीं, इम्यून फंक्शन के लिए बेहद महत्वपूर्ण न्यूट्रिएंट में से एक है। एक स्टडी के मुताबिक, आंवले में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट हमें ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस से बचाते हैं। इसके साथ ही इम्यून सिस्टम भी मजूबत होता है।

डाइजेशन में सुधार

प्रतिदिन आंवला खाने से पेट संबंधित समस्याएं दूर होती है। इसके साथ ही पेट से जुड़ी समस्याओं से भी राहत मिलता है।

हार्ट हेल्थ बेहतर होता है

रोजाना एक आंवला खाने से हार्ट डिजीज के कई जोखिम कम हो सकते हैं। कोलेस्ट्रॉल लेवल, ट्राइग्लिसराइड लेवल और ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहता है।

हेयर्स हेल्दी रहते हैं

आंवला हेयर्स फॉलिकल्स को पोषण प्रदान करता है। बालों की जड़ों को मजबूत करने और समय से पहले सफेद होने से रोकने में मदद करता है। इससे बाल हेल्दी, चमकदार और घने दिखने लगते हैं।

डायबिटीज रोगियो के लिए फायदेमंद

जो लोग डायबिटीज से परेशान हैं उन्हें आंवले का सेवन करना चाहिए। आंवला में कुछ ऐसे कंपाउंड्स मौजूद होते हैं जो ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करते हैं, जो डायबिटीज वाले मरीजों के लिए फायदा पहुंचाता है।

आंखों की सेहत के लिए फायदेमंद

बता दें, रोजाना एक आंवला खाने से आंखों की रोशनी तेज होती है। आंवला कैरोटीन से भरपूर होता है। डॉक्टर भी कहते हैं कि रोज आंवला और शहद खाने से आंखों की सेहत के लिए बहुत अच्छा माना जाता है।

मेंटल हेल्थ में फायदेमंद

यदि आप रोजाना आंवला खाते हैं तो यह ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और नर्व हेल्थ में सुधार करता है। आंवले में पर्याप्त मात्रा में डाइटरी फाइबर होता है, जो वेट मैनेजमेंट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आंवले का आप जूस पी सकते हैं।

कालभैरव जयंती व्रत से प्राप्त होते हैं सभी प्रकार के सुख

हर साल मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर काल भैरव जयंती मनाई जाती है। काल भैरव जयंती का दूसरा नाम कालाष्टमी है, इसे भैरव अष्टमी या महाकाल भैरव जयंती भी कहा जाता है। बाबा काल भैरव भगवान शिव का क्रोधित या रुद्र रूप अवतार हैं। पंडितों के अनुसार काल भैरव जी की पूजा आराधना करने से भक्तों को भय से मुक्ति मिलती है। सनातन धर्म में काल भैरव जयंती का बड़ा धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। इस शुभ दिन पर लोग भगवान शिव के उग्र स्वरूप काल भैरव जी की पूजा करते हैं। इस साल यह 22 नवंबर, 2024 को मनाई जाएगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस शुभ तिथि पर पूजा-पाठ और व्रत करने से जीवन की सभी बाधाओं का अंत होता है।

कालभैरव जयंती पर ऐसे करें पूजा

पंडितों के अनुसार काल भैरव जयंती के दिन जो लोग व्रत रखने वाले हैं उनको सुबह उठकर स्नान-ध्यान करने के बाद व्रत का संकल्प लेना चाहिए। काल भैरव जी की पूजा रात्रि के समय की जाती है, इसलिए रात्रि के समय पूजा स्थल पर काल भैरव जी की प्रतिमा रखें। फिर आपको पूजा-आराधना शुरू करनी चाहिए, आप घर के पास के मंदिर में भी जाकर पूजा कर सकते हैं। आप काल भैरव के मंदिर में चौमुखी दीपक जलाकर काल भैरव जी की पूजा कर सकते हैं। घर में पूजा कर रहे हैं तो काल भैरव जी की प्रतिमा के सामने फूल-अक्षत आदि अर्पित करें। फिर इसके बाद कालभैरव अष्टकम का पाठ और मंत्रों का जप करें। भैरव जी को आप इमरती, पान, नारियल आदि का भोग लगा सकते हैं। इस दिन कुत्तों को रोटी खिलानी चाहिए।

काल भैरव की उत्पत्ति से जुड़ी कथा

शिव पुराण के श्री शातरुद्र संहिता का 8वें अध्याय भैरव अवतार में काल भैरव की उत्पत्ति का वर्णन मिलता है। शिव पुराण की कथा के अनुसार, एक बार ब्रह्मा जी सुमेरु पर्वत पर बैठकर ध्यान में लीन थे। देवता उनके पास आए और हाथ जोड़कर नमस्कार किया। उसके बाद पूछने लगे कि इस संसार में अविनाशी तत्व क्या है। जिसपर ब्रह्मा जी बोले कि मुझसे बढ़कर कोई भी नहीं है मुझसे ही संसार उत्पन्न हुआ है, मेरे ही कारण संसार प्रवृत्त और निवृत होता है। पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार ब्रह्मा, विष्णु और शिव तीनों में इस बात को लेकर बहस हो रही थी, कि तीनों में सर्वश्रेष्ठ कौन है। सभी देवताओं ने अपने-अपने मत रखें, जिससे शिवजी और भगवान विष्णु तो संतुष्ट हो गए लेकिन ब्रह्मा जी ने इससे खुश नहीं थे। वो कुछ न कुछ बोल रहे थे, जिसके बाद शिवजी को बहुत क्रोध आ गया। भगवान शिव के इसी क्रोध से काल भैरव की उत्पत्ति हुई। कालभैरव का रुद्र अवतार देख सभी देवता भयभीत हो गए और शिव से शांत रहने की विनती करने लगे। लेकिन कालभैरव ने क्रोध से ब्रह्मा जी पांच मुख में एक मुख को काट दिया था। जिसके बाद ब्रह्मा जी ने शिवजी के इस रौद्र अवतार काल भैरव से माफी भी मांगी जिसके बाद शिवजी शांत हो गए। कथाओं के अनुसार काल भैरव पर ब्रह्म हत्या का पाप भी लग चुका था, इसका प्रायश्चित भी करना था। तब शिवजी ने उन्हें तीर्थ भ्रमण का सुझाव दिया और काल भैरव धरतीलोक पर तीर्थ भ्रमण के लिए निकल पड़े.धरतीलोक पर भिखारी के रूप में काल भैरव सैंकड़ों सालों तक भटके, ऐसा कहा जाता है कि आखिरकार शिव की नगरी काशी में पहुंचकर उनका दोष समाप्त हुआ।

काल भैरव की पूजा का महत्व

काल भैरव की पूजा तंत्र और साधना पद्धति में विशेष महत्व रखती है। वे समय, मृत्यु, और सुरक्षा के देवता माने जाते हैं। भक्तों का मानना है कि उनकी उपासना से भय, पाप, और बुरी शक्तियों का नाश होता है। काशी में उनकी विशेष आराधना होती है, और हर मंगलवार और शनिवार को उनके भक्त उन्हें शराब, नारियल, और काले तिल अर्पित करते हैं। पंडितों के अनुसार इनके भक्तों का अनिष्ट करने वालों को तीनों लोकों में कोई शरण नहीं दे सकता । काल भी इनसे भयभीत रहता है इसलिए इन्हें काल भैरव एवं हाथ में त्रिशूल,तलवार और डंडा होने के कारण इन्हें दंडपाणि भी कहा जाता है । इनकी पूजा-आराधना से घर में नकारात्मक शक्तियां,जादू-टोने तथा भूत-प्रेत आदि से किसी भी प्रकार का भय नहीं रहता बल्कि इनकी उपासना से मनुष्य का आत्मविश्वास बढ़ता है।

कालाष्टमी शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि की शुरुआत 22 नवंबर को संध्याकाल 06 बजकर 07 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, अष्टमी तिथि का समापन 23 नवंबर को संध्याकाल 07 बजकर 56 मिनट पर होगा। अतः 22 नवंबर को काल भैरव जयंती मनाई जाएगी। इस शुभ अवसर पर काल भैरव देव की पूजा की जाएगी।

काल भैरव जयंती पर करें ये उपाय

काल भैरव को सरसों का तेल अत्यंत प्रिय है। जयंती के दिन उनके मंदिर में या घर में उनकी मूर्ति या चित्र के सामने सरसों के तेल का दीपक जलाएं। इस दीपक को रातभर जलते रहने दें। यह उपाय विशेष रूप से शत्रुओं से रक्षा करने, धन हानि रोकने और परिवार में सुख-शांति बनाए रखने में सहायक होता है। पंडितों के अनुसार भगवान काल भैरव की सवारी कुत्ता है। जयंती के दिन काले कुत्तों को मीठा रोटी, दूध, या पेड़े खिलाना शुभ माना जाता है। इससे न केवल काल भैरव की कृपा प्राप्त होती है, बल्कि जीवन में आने वाले अनहोनी घटनाओं से बचाव भी होता है।

कालाष्टमी व्रत से जुड़ी पौराणिक कथा

प्राचीन कथा के अनुसार, एक समय ऐसा आया जब भगवान ब्रह्मा, भगवान श्री हरि विष्णु और भगवान महेश के बीच श्रेष्ठता को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ। यह विवाद धीरे-धीरे बढ़ता गया, जिससे सभी देवताओं को एकत्रित कर एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सभी देवताओं की उपस्थिति में यह प्रश्न उठाया गया कि इनमें से श्रेष्ठ कौन है? सभी ने अपने विचार प्रस्तुत किए और उत्तर की खोज की, लेकिन भगवान शिव शंकर और भगवान श्री हरि विष्णु ने एक पक्ष का समर्थन किया, जबकि भगवान ब्रह्मा ने भोलेनाथ के प्रति अपशब्द कहे, इस पर महादेव अत्यंत क्रोधित हो गए। कहा जाता है कि भगवान शिव के इस क्रोध से काल भैरव का अवतार हुआ, भोलेनाथ के इस रूप का वाहन काला कुत्ता माना जाता है। उनके एक हाथ में छड़ी होती है। इस अवतार को 'महाकालेश्वर' के नाम से भी जाना जाता है, इसलिए इन्हें दंडाधिपति भी कहा जाता है।

काल भैरव का ये लगाएं भोग

पंडितों के अनुसार वैसे तो भगवान कालभैरव को किसी भी चीज का भोग लगा सकते हैं, लेकिन भगवान काल भैरव को कुछ चीजें अत्यंत प्रिय हैं जिन्हें भोग स्वरुप पाकर भैरव अत्यंत प्रसन्न होते हैं एवं व्यक्ति के समस्त संकट, मृत्युभय एवं आर्थिक संकट आदि सभी खत्म कर देते हैं।

पीरियड्स के दौरान मीठा खाने की क्रेविंग प्रेग्नेंसी के लक्षण तो नहीं? जानें क्या है पूरा सच

मिठाई और कार्बोहाइड्रेट की लालसा मासिक धर्म के दौरान आम है और वैज्ञानिक रूप से सिद्ध है कि यह हार्मोनल परिवर्तनों के कारण होता है. ओव्यूलेशन के बाद ल्यूटियल चरण के दौरान, एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन के उच्च स्तर मिठाई और कार्बोहाइड्रेट की लालसा पैदा कर सकते हैं. आपके पीरियड्स के दौरान मिठाई और कार्बोहाइड्रेट की लालसा पीएमएस का एक सामान्य हिस्सा है और यह जैविक और मनोवैज्ञानिक कारकों के संयोजन के कारण होता है. आपके मासिक धर्म चक्र के ल्यूटियल चरण के दौरान, एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन के उच्च स्तर मिठाई और कार्बोहाइड्रेट की लालसा को बढ़ा सकते हैं.जब आप मिठाई और स्टार्चयुक्त खाद्य पदार्थ खाते हैं तो आपका शरीर सेरोटोनिन छोड़ता है, जो आपके मूड को बढ़ा सकता है.मिठाई खाने से आपको पीएमएस के साथ आने वाली भावनाओं से निपटने में मदद मिल सकती है.

हमेशा पानी पीते रहें. शरीर में पानी की कमी नहीं होनी चाहिए. क्योंकि पानी की कमी के कारण हार्मोनल चेंजेज हो सकते हैं.

व्यायाम करें, टहलें, डीआईवाई गतिविधियाँ करें, दोस्तों और परिवार के साथ बातचीत करें, या गेम या पहेलियां खेलें. प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट या प्रति सप्ताह 150 मिनट शारीरिक गतिविधि करने का प्रयास करें.आइसक्रीम कोन के बजाय, आप दही के कटोरे में प्राकृतिक रूप से मीठी स्ट्रॉबेरी मिला कर खा सकते हैं. डार्क चॉकलेट आपकी मीठा खाने की इच्छा को संतुष्ट कर सकती है और इसमें पोटैशियम की मात्रा अधिक होती है, जो ऐंठन में मदद कर सकती है.यदि आप किसी भी लक्षण का अनुभव कर रहे हैं और इससे निपटने का सबसे अच्छा तरीका जानना चाहते हैं, तो आपको अपने डॉक्टर से बात करनी चाहिए. ऐसे प्रमाण मौजूद हैं जो बताते हैं कि जिन लोगों में ल्यूटियल चरण (मासिक धर्म चक्र के दौरान अण्डोत्सर्ग के बाद) के दौरान कुछ हार्मोनों का स्तर अधिक होता है, उनमें मिठाई खाने की अधिक संभावना होती है.

सत्यदेव स्टारर फिल्म ज़ेबरा 22 नवंबर को रिलीज़ होगी

बहुप्रतीक्षित मल्टी-स्टारर फिल्म ज़ेबरा 22 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है, जिसमें प्रतिभाशाली अभिनेता सत्य देव और कन्नड़ स्टार दाली धनंजय मुख्य भूमिकाओं में हैं। ईश्वर कार्तिक द्वारा निर्देशित और पद्मजा फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड और ओल्ड टाउन पिक्चर्स के तहत एसएन रेड्डी, एस पद्मजा, बाला सुंदरम और दिनेश सुंदरम द्वारा निर्मित यह फिल्म दर्शकों के बीच उत्सुकता पैदा कर रही है।

ठंड में घुटने के दर्द से परेशान हैं? राहत पाने के लिए रोजाना 15 मिनट करें ये एक्सरसाइज

घुटनों में दर्द एक आम समस्या है. जो गलत जूते पहनने और उबड़-खाबड़ रास्तों पर चलने समेत कई कारणों से बढ़ने लगती है. घुटनों में समस्या उम्र बढ़ने के कारण भी हो सकती है. घुटने में दर्द चलने, उठने और बैठने में दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है. अक्सर लोग दवाइयों का सेवन कर मांसपेशियों में बढ़ती ऐंठन और सूजन से छुटकारा पाने की कोशिश करते हैं. लेकिन कुछ आसान व्यायाम इस समस्या को दूर करने में मददगार साबित हो सकते हैं.

आइए जानते हैं घुटनों के दर्द से राहत दिलाने वाले आसान सी एक्सरसाइज करना चाहिए. जर्नल ऑफ अमेरिकन फैमिली फिजिशियन की एक रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 25 प्रतिशत लोग घुटनों में दर्द का अनुभव करते हैं. रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 20 सालों में घुटनों के दर्द के मामलों में 65 प्रतिशत की वृद्धि हुई है.

घुटनों के दर्द को कम करने के लिए ये एक्सरसाइज करें

1. क्लैम शेल एक्सरसाइज

क्लैमशेल एक्सरसाइज करने से हिप्स और ग्लूट्स मजबूत होते हैं, चलने और बैठने में मदद मिलती है. नियमित अभ्यास से घुटनों की मांसपेशियां लचीली बनी

रहती हैं, जिससे दर्द की समस्या दूर होती है.

इस एक्सरसाइज को करने के लिए मैट पर सीधे लेट जाएं और अपनी दाईं ओर मुड़ें. अपने दाहिने हाथ को ऊपर की ओर उठाएं.अब अपने घुटनों को 90 डिग्री पर मोड़कर अपने बाएं घुटने को जितना हो सके उतना खोलें और फिर दूसरे घुटने पर रखें.

इस एक्सरसाइज को 2 सेट में 20 बार करें. इससे घुटनों में होने वाले दर्द को कम किया जा सकता है.

2. साइड लेग रेज एक्सरसाइज

साइड लेग रेज एक बॉडीवेट एक्सरसाइज है जिसे लेटकर और खड़े होकर दोनों तरह से किया जा सकता है. इसे करने से ग्लूट्स, कोर और हैमस्ट्रिंग मजबूत होते हैं। इससे पेट के निचले हिस्से की मांसपेशियों पर दबाव बढ़ता है.

इस एक्सरसाइज को करने के लिए अपनी बाईं ओर लेट जाएं और अपने दोनों घुटनों को मोड़कर रखें.अब अपने दाहिने पैर को सीधा करें और जितना हो सके उतना ऊपर उठाएं और फिर नीचे लाएं. इस व्यायाम का अभ्यास अपने शरीर की क्षमता के अनुसार करें। इससे कूल्हे की मांसपेशियों पर दबाव बढ़ता है, जिससे शरीर का लचीलापन बनाए रखने में मदद मिलती है.

3. स्टैंटिक क्वाड स्ट्रेच

जांघों के सामने की तरफ मौजूद मांसपेशियों को क्वाड्रिसेप्स मांसपेशियां कहते हैं. इस व्यायाम को करने से इन मांसपेशियों में खिंचाव आता है, जिससे रक्त संचार बढ़ता है. इसे लेटकर या खड़े होकर किया जा सकता है. इससे घुटने का दर्द कम हो सकता है.

इस व्यायाम को करने के लिए मैट पर पेट के बल लेट जाएं और फिर दोनों पैरों के बीच थोड़ी दूरी बनाए रखें. अब अपने दाहिने पैर को घुटने से मोड़कर अपने कूल्हों के पास लाएं और ऊपर की ओर खींचें. इस दौरान गहरी सांस लें.इसके बाद दाहिने पैर को जमीन पर रखें और बाएं पैर को ऊपर की ओर लाएं. इस व्यायाम का अभ्यास 10 से 15 बार करें.

4. हैमस्ट्रिंग स्ट्रेच

हैमस्ट्रिंग मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए इस व्यायाम का अभ्यास करें. इससे शरीर का संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है और पीठ के निचले हिस्से की मांसपेशियों को आराम मिलता है, जिससे दर्द और सूजन कम हो सकती है.

इस व्यायाम को करने के लिए पीठ के बल लेट जाएं और अपने दाहिने पैर को ऊपर की ओर उठाएं. इस दौरान गहरी सांस लें.अब तौलिया लें और उसे अपने दाहिने पैर से घुमाएं और नीचे की ओर खींचें। इससे आपके घुटनों की मांसपेशियों को आराम मिलेगा.

शरीर की क्षमता के अनुसार इस व्यायाम का अभ्यास करें. इसके बाद दोनों पैरों को सीधा कर लें.

डिजाइनर सूट पहन रकुल प्रीत सिंह ने दिखाई दिलकश अदाएं

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है। इन फोटोज में उनकी हुस्न की बेबाकू अदाएं देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं।

अब हाल ही में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं रकुल प्रीत सिंह ने पीच कलर का अनारकली सूट पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही खूबसूरत नजर आ रही हैं।

खुले बाल, गले में नेकलेस और मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने इस आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है।

बता दें कि एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियां देते हैं।

रकुल प्रीत सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

शब्द सामर्थ्य -243

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

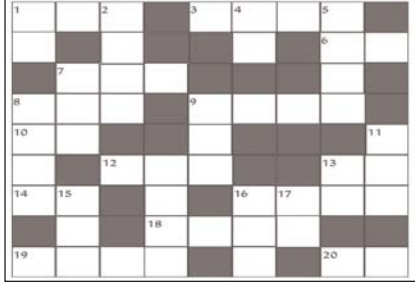

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 242 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	चा	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				ब	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		बे	च	ना		व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी

एसईसीएल के इंजीनियर व अधीक्षक 11 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार

चिरमिरी एसईसीएल जीएम कार्यालय में एसीबी की रेड, वर्कआर्डर जारी करने के लिए मांगी थी रिश्वत

चिरमिरी। एसीबी सरगुजा की टीम ने एसईसीएल चिरमिरी के महाप्रबंधक कार्यालय में दबिश देकर असिस्टेंट इंजीनियर एवं कार्यालय अधीक्षक को 11 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है। असिस्टेंट इंजीनियर व अधीक्षक ने एक ठेकेदार को वर्क आर्डर जारी करने के लिए रिश्वत की मांग की थी। ठेकेदार ने इसकी सूचना एयीती यग्राप्ता की टीम को है ही। एसीबी की टीम ने महाप्रबंधक कार्यालय में अधिकारियों की मौजूदगी में कार्रवाई पूरी की गई। एसीबी की टीम ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, एसईसीएल चिरमिरी में ठेकेदार अंकित मिश्रा ने टेंडर डाला था। टेंडर उसके नाम पर खुलने के करीब दो माह बाद भी उसे वर्क आर्डर जारी नहीं किया गया था। वर्क आर्डर जारी करने के

लिए उसने असिस्टेंट इंजीनियर संजय सिंह एवं कार्यालय अधीक्षक व्ही. श्रीनिवास से संपर्क किया तो दोनों ने वर्क आर्डर जारी करने के लिए 11 हजार रुपये रिश्वत की मांग की जिसकी शिकायत अंकित मिश्रा ने इसकी शिकायत एसीबी कार्यालय अंबिकापुर में की एसीबी सरगुजा की टीम ने फोन से इसकी तस्दीक की।

रंगे हाथों पकड़े गए असिस्टेंट इंजीनियर व अधीक्षक

एसीबी के डीएसपी प्रमोद कुमार खेस की टीम कार्रवाई के लिए एसईसीएल चिरमिरी के महाप्रबंधक कार्यालय पहुंची। ठेकेदार अंकित मिश्रा ने महाप्रबंधक कार्यालय में पहुंचकर असिस्टेंट इंजीनियर संजय सिंह को 7000 रुपये एवं कार्यालय अधीक्षक व्ही. श्रीनिवास को 4000 रुपये रिश्वत की रकम दी। इशारा मिलते ही एसीबी की टीम ने उन्हें रंगे हाथों पकड़ लिया। संजय सिंह के पास से रिश्वत की रकम 7000 रुपये एवं व्ही श्रीनिवास के पास रिश्वत की रकम 4000 रुपये जब्त किया गया है। दोनों के खिलाफ धारा 7 व 12 पीसी एक्ट 1988 के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। कार्रवाई देर शाम तक जारी रही ।

केवरा के किराना दुकान से 500 किवंटल अवैध धान की जब्ती

सूरजपुर। कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देश पर जिले के सहकारी समितियों में अवैध धान की आवक, रिसाइक्लिंग, कोचियों-बिचौलियों द्वारा धान के अवैध विक्रय को रोकने के लिए राजस्व अमला सक्रिय रूप से कार्य करा है।

प्रतापपुर एसडीएम श्रीमती ललिता भगत द्वारा लगातार दो दिन अवैध धान जब्ती का कार्यवाही की गई है। जिसके तहत आज ग्राम केवरा के किराना दुकान के पीछे बने गोदाम से 1300 बोरी (500 क्विंटल) धान की जब्ती की गई। जानकारी लेने पर दुकान के संचालक के पास मंडी लाइसेंस था परंतु उसके द्वारा जारी लाइसेंस के विरूद्ध तय सीमा से अधिक धान का भण्डारण गोदाम में पाया गया। जिसे लेकर दुकान संचालक के पास कोई संतोषजनक जवाब नहीं था। टीम के द्वारा प्रकरण बनाकर अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रस्तुत किया गया है जिसमें मंडी अधिनियम के तहत आगे की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

बाइक सवार की मौत

रायपुर। ग्राम बहेसर में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार अधेड़ की मौत हो गई। मामले में नेवरा पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

जिला कोरिया में अवैध खनिज परिवहन पर कार्रवाई, पांच वाहन जप्त

कोरिया। कलेक्टर के निर्देश पर खनिज विभाग द्वारा खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में विगत दिनों निरीक्षण के दौरान पांच वाहनों को अवैध खनिज परिवहन करते हुए पकड़ा गया।

खनि अधिकारी भूषण कुमार पटेल और उनकी टीम द्वारा वाहन क्रमांक CG16 CH 9649 (मिनी हाईवा) को अवैध रूप से रेत परिवहन करते हुए

चालक छोटेलाल को पाया गया, जिसके मालिक अर्जुन साहू, इसके अलावा सोलड ट्रेक्टर सोनालिका वाहन चालक ओमप्रकाश व वाहन मालिक, सुनील सोनी, CG15 AC 5642 के वाहन चालक जोत लाल, मालिक रोशन राजवाड़े, CG15 AE 4795 के वाहन चालक बसन्त व वाहन मालिक पुष्पराज हैं, जो अवैध रेती परिवहन कर रहे थे वहीं, वाहन क्रमांक CG16 CR 2244 को अवैध कोयला परिवहन करते हुए पकड़ा गया, जिसके मालिक राजेश कश्यप और चालक अतुल कश्यप हैं।

पांचों वाहनों को मौके पर जप्त कर समीपस्थ थाना चरचा एवं पटना थाना में अभिरक्षा में रखा गया। खनि विभाग ने छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 के नियम 71 और खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम 1957 के तहत प्रकरण दर्ज किया। दोषियों से कुल 47,646/- (सैंतालीस हजार छह सौ छियालीस रुपए) जुर्माना वसूल कर राशि खनिज मद में जमा कराई गई। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। प्रशासन ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे अवैध खनन की सूचना तत्काल संबंधित विभाग को दें। जिला प्रशासन प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और कानून के पालन के लिए प्रतिबद्ध है। इस प्रकार की कार्रवाई से अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाया जाएगा।

एग्री कोनिक ऑफिस से 4 लाख से अधिक रकम पार

रायपुर। कुशालपुर स्थित एग्री कोनिक मसीनरीज प्राइवेट लिमिटेड का चेनल गेट को तोड़कर अज्ञात चोर ने 4 लाख 60 हजार रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर पुरानी बस्ती पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी दिनेश कुमार पटेल 39 वर्ष पीएस सिटी न्यू चंगोराभाठा का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि कुशालपुर स्थित एग्री कोनिक मसीनरीज प्राइवेट लिमिटेड का चेनल गेट को तोड़कर अज्ञात चोर ने अंदर प्रवेश किया और लॉकर में रखे नकदी 4 लाख 60 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर पुरानी बस्ती पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

भूमि का सौदा कर दूसरे को बेचा, ठगी का मामला दर्ज

रायपुर। ग्राम परसवानी स्थित जमीन का सौदा कर ईकरारनामा तैयार कर 10 लाख 51 हजार लेकर भूमि दूसरे को बेचने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थी की शिकायत पर गुढ़ियारी पुलिस ने आरोपी दंपति के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अखिलेन्द्र प्रताप सिंह 41 वर्ष मच्छी तालाब गुढ़ियारी का रहने वाला है।

हारमोनियम पर मोहित की मधुर धुन ने कलेक्टर को किया मंत्रमुग्ध

कोरिया। सोनहत विकासखंड के सुदूर ग्राम लटमा के पीएमश्री स्कूल में कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निरीक्षण के दौरान चौथी कक्षा के छात्र मोहित ने अपनी कला का ऐसा प्रदर्शन किया, जिसने सभी का दिल जीत लिया।सचमुच हुनर का कोई उम्र नहीं और कला-संगीत का कोई जाति-धर्म नहीं।

यह कहावत नहीं बल्कि कोरिया जिले के सोनहत विकासखण्ड के सुदूर ग्राम लटमा के पीएमश्री स्कूल के चौथी कक्षा में पढ़ाई करने वाले मासूम मोहित ने कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी के समक्ष मोहित ने हारमोनियम पर मधुर धुन बजाकर यह साबित किया कि हुनर उम्र का मोहताज नहीं।

मोहित की मासूमियत और संगीत के प्रति उसके लगाव ने कलेक्टर को इतना प्रभावित किया कि उन्होंने तुरंत कहा, वाह! शाबास! यह क्षण न केवल मोहित बल्कि पूरे स्कूल के लिए गर्व का पल था। इसके पहले स्कूल के बच्चों ने कलेक्टर का स्वागत धान की बालियां भेंटकर की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने स्कूल की स्मार्ट क्लास, मध्यान्ह भोजन कक्ष और किचन गार्डन का जायजा लिया। उन्होंने विद्यार्थियों से बातचीत कर उनकी पढ़ाई और रुचियों की जानकारी ली। शिक्षकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, समय पर स्कूल आएं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करें। बच्चों का भविष्य आपके हाथों में है, इसे साकार करना आपकी जिम्मेदारी है। मोहित की इस प्रतिभा ने न केवल स्कूल बल्कि पूरे गांव को गौरवान्वित किया है। उसकी मधुर धुन ने यह संदेश दिया कि अवसर मिलने पर हर बच्चा अपनी छिपी हुई प्रतिभा को उजागर कर सकता है। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, जिला शिक्षा अधिकारी जितेंद्र गुप्ता और अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

कटगोड़ी में अशोक राम ने स्वच्छता की मुख्यधारा में शामिल होकर शौचालय बनाया, डीएम से सम्मानित

कोरिया। सोनहत विकासखंड के ग्राम कटगोड़ी निवासी किसान अशोक राम के लिए गुरुवार का दिन खास बन गया, जब जिले की कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी उनके घर पहुंचीं और स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत बनाए गए शौचालय के लिए अभिनन्दन पत्र प्रदान किया। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, सोनहत एसडीएम राकेश साहू और जनपद पंचायत सीईओ मनोज जगत भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित मकान में रहने वाले अशोक राम ने अपने घर पर शौचालय बनाकर स्वच्छता की मिसाल पेश की है। कलेक्टर त्रिपाठी ने उनके प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, स्वच्छता स्वस्थ जीवन की कुंजी है। घर और शौचालय को स्वच्छ रखना बीमारियों से बचाव का सबसे अच्छा तरीका है। अशोक राम ने इस सम्मान को अपने जीवन का गर्व का क्षण बताया। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए गर्व की बात है कि कलेक्टर स्वयं मेरे घर आईं और मुझे अभिनन्दन पत्र प्रदान किया। यह मेरे लिए एक प्रेरणा है कि स्वच्छता का महत्व न केवल मेरे परिवार बल्कि समाज के लिए भी अहम है। इस अवसर पर कलेक्टर ने अन्य ग्रामीणों को भी स्वच्छता अभियान से जुड़ने

और अपने घरों में शौचालय निर्माण करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ लेकर हर ग्रामीण अपने घर को स्वच्छ और बीमारियों से मुक्त बना सकता है। अशोक राम के प्रयास न केवल उनकी स्वयं की बल्कि अन्य ग्रामीणों की भी प्रेरणा बने हैं। बता दें "हमारा शौचालय-हमारा सम्मान" अभियान 10 दिसंबर तक जिले में चलेगी और घर में व्यक्तिगत शौचालय व स्वच्छता के सम्बंध में महत्वपूर्ण जानकारी भी दी जा रही है। जिला कलेक्टर का यह दौरा स्वच्छता और ग्रामीण विकास की दिशा में किए गए प्रयासों को बढ़ावा देने का हिस्सा था।

योजनाओं का लाभ लेने के लिए संबंधित विभागों में संपर्क करें: रेणुका सिंह

कोरिया। आज जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन ग्राम पंचायत कटगोड़ी, के शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल के मैदान में किया गया।

जिलास्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में क्षेत्र के विधायक श्रीमती रेणुका सिंह ने आमजनों की समस्याओं से अवगत हुए बल्कि सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को शीघ्र निराकरण करने के निर्देश भी दिए। श्रीमती रेणुका सिंह ने राजस्व प्रकरण से सम्बंधित प्रकरण पर सम्बंधित एसडीएम, जनपद सीईओ को शीघ्र निराकरण करने को कहा। श्रीमती रेणुका सिंह ने आम लोगों से कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ लेने के विभागों में संपर्क करें । उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि लोगो की समस्याओं का त्वरित निराकरण हो। इसीलिए प्रशासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर का आयोजित कर लोगों की समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों में संचालित योजनाओं के बारे में इन अधिकारियों द्वारा जानकारी दी जाती है, आप सभी लोग लाभ उठाएं। कोरिया कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने कहा कि जन समस्या समाधान शिविर लगाने का उद्देश्य ग्रामीण भाई-बहन सरकार की योजनाओं से रूबरू हो सके, उनका लाभ ले सके। शिविर में मांग, शिकायत, समस्या आदि आवेदन के माध्यम से निराकरण हो सके। उन्होंने न्यायालयीन प्रक्रिया व मांग से सम्बंधित आवेदनों पर कहा विचार-विमर्श कर उचित निराकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्व से सम्बंधित प्रकरण अधिक हैं, उनका निदान भी शीघ्र किया जाएगा। विधायक एवं कलेक्टर ने अन्नप्राशन व गोदभराई रस्म में शामिल हुए। गर्भवती माताओं व शिशुवती माताओं को भरपूर व पौष्टिक भोजन करने की बात कही। शिविर स्थल पर राजस्व, आदिवासी विकास विभाग, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, खाद्य, स्वास्थ्य, मत्स्य पालन विभाग, श्रम, आयुष्मान विभाग, पशु पालन विकास विभाग, ऊर्जा विभाग, सेंट्रल बैंक आफ़ इंडिया, कृषि, लोक सेवा यांत्रिकी, महिला एवं बाल विकास, जल संसाधन, शिक्षा, उद्यानिकी विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा आदि विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर आम लोगों से आवेदन प्राप्त किए और इन विभागों में संचालित योजनाओं के बारे में विभागीय अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों को विस्तार से जानकारी भी दी गई। विभिन्न हितग्राही मूलक सामग्रियों, प्रमाण-पत्र, आयुष्मान कार्ड, श्रमिक पंजीयन कार्ड आदि का वितरण किया गया। आज शिविर में करीब 182 आवेदन प्राप्त हुए जिसमे 22 आवेदनों का निराकरण स्थल पर किया गया। शेष आवेदनों को समय-सीमा के भीतर संबंधित विभाग के अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए गए। शिविर में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुर्वेदी, जनपद सदस्य, सरपंच, पंच एवं बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी व ग्रामीण उपस्थित रहे।

निलंबित आईएएस रानू साहू की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

रायपुर। एसएचीआई और ईओडब्ल्यू की विशेष अदालत ने निलंबित आईएएस अधिकारी रानू साहू की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। रानू साहू इस समय डीएमएफघोटाले में फंसी हुई हैं। इस याचिका पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने निर्णय सुरक्षित रख लिया था। अभियोजन पक्ष ने कोर्ट को बताया कि डीएमएफघोटाले में रानू साहू और उनकी करीबी माया वारियर की भूमिका संदिग्ध है। माया वारियर को पहले ही गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया जा चुका है, और उनसे मिली जानकारी के आधार पर जांच आगे बढ़ रही है। अभियोजन ने तर्क दिया कि यदि रानू साहू को जमानत दी गई, तो इससे जांच और साक्ष्य प्रभावित हो सकते हैं। दूसरी ओर, बचाव पक्ष ने ईडी की एफआईआर पर सवाल उठाते हुए कहा कि रानू साहू का इस मामले से कोई संबंध नहीं है और एफआईआर गलत तरीके से दर्ज की गई है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने जमानत याचिका खारिज करने का फैसला सुनाया। जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) एक ट्रस्ट है, जो छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में गैर-लाभकारी संस्था के रूप में स्थापित है। इसका उद्देश्य खनन से प्रभावित व्यक्तियों और क्षेत्रों के हित में काम करना है। डीएमएफ को खनिकों के योगदान से वित्त पोषित किया जाता है, ताकि खनन गतिविधियों से प्रभावित समुदायों को सहायता और लाभ मिल सके।

स्कूलों की साफसफाई और बागवानी पर भी किया जा रहा काम

रामानुजनगर ब्लॉक शिक्षा के क्षेत्र में कर रहा उत्तरोत्तर विकास

सूरजपुर। कलेक्टर एस जयवर्धन के कुशल नेतृत्व तथा जिला शिक्षा अधिकारी राम ललित पटेल के मार्गदर्शन में विकास खंड शिक्षा अधिकारी पंडित भारद्वाज के द्वारा विकास खंड रामानुजनगर में शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर विकासात्मक कार्य आयोजित किया जा रहा है। विकासखंड रामानुजनगर में हमर विद्यालय - सुघर विद्यालय कार्यक्रम गत वर्ष से आयोजित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत सभी स्कूल भवनों को एक ही प्रकार के रंग से रंगरोपन कर कार्य कराया जा रहा है, जिसमे कई संस्था प्रमुख द्वारा चढ़ बढ़कर अपने शाला को आकर्षक तरीके से पेंटिंग कराया गया। शाला परिसर में बागवानी, पोषण वाटिका, वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाकर स्वच्छ व सुंदर बनाने का प्रयास किया गया है। जिसके कारण विकास खंड रामानुजनगर के स्कूल भवन जिले में अलग पहचान बनाए हैं।प्रत्येक संकुल से एक- एक प्राथमिक तथा मिडिल स्कूलों को अच्छे व आकर्षक बनाने पर कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधियों के द्वारा पुरस्कृत किया गया। शाला भवन परिसर में लगातार स्वच्छता अभियान, श्रमदान कर हमारा विद्यायल- स्वच्छ विद्यालय कार्यक्रम चलाया जा रहा है। आत्म अनुशासन कार्यक्रम अंतर्गत विकास खंड शिक्षा अधिकारी, एबीईओ, बीआरसी विकास खंड अंतर्गत एवं संकुल प्राचार्य, समन्यवक संकुल अंतर्गत लगभग प्रत्येक दिवस प्रार्थना सभा में शामिल होते हैं, जिसका सकारात्मक प्रभाव पड़ा। शालाओं में शिक्षक नियमित व समय पर उपस्थित होकर गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। विद्यार्थियों की नियमित उपस्थित के लिए विशेष प्रयास किए गए हैं, ग्राम स्तर पर वाट्सअप ग्रुप के माध्यम से लगातार अनुपस्थित विद्यार्थियों के अविभावक को सूचित किया जाता है।गत वर्ष विकास खंड रामानुजनगर से 15 विद्यार्थियों का चयन नवोदय विद्यालय में हुआ था जो कि अब तक का सर्वाधिक है। इस वर्ष भी विकासखंड में पांच केंद्र में नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा की विशेष तैयारी कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री शाला जतन योजना अंतर्गत स्वीकृत मरमत तथा निर्माण कार्य एजेंसी (पी डब्लू डी, आर ई एस, हाउसिंग बोर्ड तथा एस एम सी) से सतत संपर्क तथा निरीक्षण कर गुणवत्ता पूर्ण कार्य कराया गया है। निरीक्षण में कमी पाए जाने पर तत्काल सुधार कराया जा रहा है। बोर्ड परीक्षा की तैयारी के लिए समर्थ सूरजपुर कार्यक्रम अंतर्गत नियमित रूप से मूल्यांकन तथा विद्यार्थियों को अभ्यास कराए जा रहे हैं। विकास खंड शिक्षा अधिकारी पंडित भारद्वाज ,विद्यालय के साथ साथ कार्यालयीन कार्य भी नियमित रूप से निपटारा कर रहे हैं, जिसके कारण शिक्षक निश्चित होकर शाला में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। बी ई ओ के द्वारा अभिनव पहल करते हुए एक वित्तीय वर्ष में सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों को एक साथ भव्य तरीके (शाल,श्रीफल, प्रमाण पत्र के साथ परिवार सहित सामूहिक भोज)से विदाई समारोह आयोजित किया जा रहा है।विकास खंड रामानुजनगर शिक्षा के क्षेत्र में जिला में सर्वोत्तम स्थान प्राप्त करने के लिए अग्रसर है।

उपचुनावण : मतगणना की तैयारियां तेज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के सबसे चर्चित विधानसभा सीट रायपुर दक्षिण उपचुनाव में हुए उपचुनाव के बाद अब मतगणना की तैयारियां अंतिम चरणों में हैं। राजधानी रायपुर के दक्षिण उपचुनाव के लिए मतगणना की तैयारी चल रही है। 23 नवंबर को सेजबहार स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज में होने वाली मतगणना के लिए कुल 15 टेबल लगाये जायेंगे।

आपूर्ति निगम में प्रतिस्पर्धा का दौर

कोरबा। नागरिग आपूर्ति निगम में कई कारणों से बदलाव की बयार दिखाई दे रही है। लंबे समय के बाद खाद्यान्न परिवहन के मामले में अब जाकर प्रतिस्पर्धा शुरू हुई। ऐसा पहली बार हुआ जब ट्रांसपोर्टिंग का काम विली रेट पर गया है और कहा जा रहा है कि अब यहां से शुरू हुआ क्रम आगे कई साल तक बना रह सकता है। इसके पीछे कई तरह की चीजें अहम मानी जा रही है। खबरों के मुताबिक आपूर्ति निगम का कामकाज शुरू होने से लेकर इससे पहले तक खाद्यान्न परिवहन के ठेके भारी भरकम ऊंची दर पर जाया करते थे। इसमें न केवल गड़बड़ी होती थी बल्कि सरकार के सिस्टम को भी नुकसान होता था। नए कंट्रिक्टर्स की एंट्री ने एक तरफ समीकरणों का ताना-बाना हिलाकर रख दिया है वहीं न्यूनतम दर पर चुनौतीपूर्ण कार्य को लेकर दिखा दिया है कि बहुत सारी चीजों को संभव कैसे किया जा सकता है। दावा हो रहा है कि निम्न लाभ की प्राप्ति के साथ भी आप व्यवस्थाओं को पटरी पर ला सकते हैं और अपने लिए नए सिस्टम को खड़ा करने का माध्यम बन सकते हैं। याद रहे कई विभागों में सुधार के लिए काम शुरू होने के बाद नतीजे अच्छे आए हैं।

आकांक्षी जिला कोरबा में फ्लैगशिप योजनाओं का बुरा हाल

पंडो आदिवासी को प्रधानमंत्री आवास के लिए मिली धनराशि डकारी मानिकपुर सरपंच ने

कोरबा। भारत सरकार ने आवासहीनों के साथ-साथ आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को अपने घर की सुविधा देने के इरादे से प्रधानमंत्री आवास योजना लांच की है जिस पर पिछले 10 वर्षों से काम चल रहा है। छठवीं अनुसूची के साथ-साथ सरकार के आकांक्षी जिला में शामिल कोरबा में इस फ्लैगशिप योजना का क्रियान्वयन कई जगह दम तोड़ता नजर आ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे बुरी स्थिति है। लोगों की अशिक्षा और जानकारी के अभाव में योजना की राशि डकारी जा रही है।

जिले के सबसे बड़े विकासखंड पोड़ी उपरोड़ा के मानिकपुर पंचायत में ऐसा ही मामला प्रकाश में आया है। वहां विशेष संरक्षित पंडो जनजाति से जुड़े एक परिवार को इस योजना से प्राप्त 40 हजार रुपए की राशि सरपंच ने डकार ली। सूचनाओं के

अनुसार मानिकपुर पंचायत के अंतर्गत तिलधरा पंडोपारा आश्रित ग्राम है जहां पर संरक्षित जनजाति के लोग निवासरत हैं। यहां पर फूलबाई जानी पंडो पति धनसाय पंडो के नाम से प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हुआ। आगे की औपचारिकताएं पूरी की गई। उक्तानुसार योजना के तहत पहली किश्त प्राप्त हुई। आदिवासी दंपत्ति के बताए अनुसार पंचायत के सरपंच श्रोते ने दंपत्ति को लोक सेवा केंद्र गुरसिया ले जाने के साथ 40 हजार रुपए प्राप्त कर लिए। यह राशि वास्तविक रूप से हितग्राही के हिस्से की थी जिसका उसे एक रुपए भी नहीं मिला। कई जगह पूछताछ करने के बाद आदिवासी दंपत्ति की समस्या हल नहीं हुई। उनके सामने इस बात की चिंता है कि आखिर ऐसे ही काम चलता रहा तो आवास बनेगा कैसे। उन्होंने मीडिया और आसपास के जागरूक लोगों से इस मामले को साझा किया है। वे न्याय चाहते हैं।

इस वर्ष 34 हजार आवास स्वीकृत हुए ग्रामीण क्षेत्र के लिए

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के समन्वयक आशीष चंद्राकर ने तरूण छत्तीसगढ़ से चर्चा करते हुए बताया कि वर्ष 2024 में 34 हजार आवास ग्रामीण के लिए स्वीकृत हुए हैं। सितंबर महीने से संपूर्ण क्षेत्र के लिए इस पर कार्य शुरू किया गया है। अब तक 33 इकाईयों पर कार्य हुआ है। पिछले वर्ष जिले में 34 हजार आवास की स्वीकृति हुई और इनका निर्माण कराया गया। सरकार की ओर से पीएम आवास ग्रामीण के लिए 1 लाख 20 हजार रुपए की अनुग्रह राशि हितग्राहियों को उपलब्ध कराई जा रही है। उक्तानुसार वे इसका लाभ प्राप्त कर रहे हैं। सहायक अभियंता चंद्राकर ने बताया कि आवास योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर

बेहतर निगरानी कराई जा रही है और लगातार अपडेट लेने के साथ कई मामलों में कार्रवाई भी हो रही है। बताया गया कि योजना को शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में क्रियान्वित कराने के लिए अलग-अलग सिस्टम बना हुआ है जिसे आवश्यक जिम्मेदारी दी गई है। उद्देश्य यह है कि आवासहीनों को योजना का लाभ दिया जाए।

लिथियम की संभावनाओं पर अध्ययन लेकिन एनिकट का पेंच

कोरबा। क्या कटघोरा क्षेत्र में लिथियम खनिज के उत्खनन पर भविष्य में काम हो भी सकेगा? सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि संबंधित क्षेत्र में कई प्रकार से पेंच फंसे हुए हैं। इन सबसे पहले खनन को लेकर गवेषण और अन्य औपचारिकताओं को पूरा भी करना है। इस काम के बिना उत्खनन जैसे चरण तक पहुंचना मुश्किल हो सकता है।

वर्तमान में कोरबा जिले से खनिज रायल्टी के तौर पर प्रदेश सरकार को लगभग 2000 करोड़ की राशि प्राप्त हो रही है। समय के साथ इसमें बढ़ोत्तरी की पूरी संभावना है क्योंकि कोयला खनिज का उत्पादन करने वाली खदानें बढ़ रही है। इससे देश की जरूरतें पूरी हो रही है तो कोयला कंपनी के साथ-साथ सरकार का राजस्व भी बढ़ रहा है। पिछले दिनों सूचनाएं मिली थी कि कोरबा जिले में लिथियम खनिज की उपलब्धता का पता चला है। आगामी दिनों में इसके खनन को लेकर काम की संभावना है। इस बारे में बात कहां तक पहुंची, इसे जानने को लेकर हर किसी में उत्सुकता है। तथ्यों की पड़ताल लगातार हो रही है। मामला किस स्टेज पर है, इस बारे में पतासाजी की गई तो मालूम चला कि लिथियम का खनन जितना आसान समझा जा रहा है, वैसा है नहीं। कोरबा जिले के कटघोरा क्षेत्र के अंतर्गत एक स्थान पर हुए प्राथमिक सर्वेक्षण में ज्ञात हुआ कि वहां लिथियम उपलब्ध है। खनिज विभाग के लिए यह सूचना किसी संजीवनी से कम नहीं है। इसलिए इससे उसका उत्साहित होना स्वाभाविक है। खबर के अनुसार अभी यह पता लगाना बाकी है कि कितने क्षेत्र में लिथियम मौजूद है और वह कितने समय तक अपने खनन से सरकार को लाभ दे सकेगा। इससे प्रत्यक्ष और परोक्ष रोजगार व अन्य संबंधित लाभ का पूर्व आंकलन करना भी जरूरी हो गया है लेकिन समस्या इस बात को लेकर है कि जिस क्षेत्र में लिथियम की मौजूदगी का पता चला है, उसी तरफ सिंचाई विभाग का एनिकट प्रस्तावित है। ऐसे में दोनों की व्यवहारिकता तय करना एक बड़ा मसला है। उपर से लिथियम खनन को लेकर व्यापक सर्वेक्षण के साथ-साथ उसके लिए पर्यावरणीय अनुमति और उसके बाद तकनीकी व अन्य औपचारिकताओं को पूरा करने की चुनौती है।

ध्यानचंद चौराहा तक बनाएं बेहतर सड़क

कोरबा। बालको क्षेत्र में व्याप्त विभिन्न समस्याओं को लेकर भारतीय कम्यूनिष्ट पार्टी ने अपने स्तर पर प्रयास करना शुरु कर दिया है। समस्याओं के समाधान हेतु उन्होंने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। संगठन के पदाधिकारी चाहते हैं,कि बालको से मेजर ध्यानचंद चौक तक गुणवत्तापूर्ण सड़क बनाई जाए। बालको प्लांट में ड्युटी आने व जाने के दौरान भारी वाहनों के परिचाल पर नो एंट्री लगाई जाए। परसाभाटा बाजार में लगने वाली गुमटियों का जिर्णोद्धार किया जाए। बालको के विभिन्न वार्डों में जर्जर हो चुकी नालियों का जिर्णोद्धार किया जाए। खुले ट्रांसफार्मर में पैनल लगाए जाने के साथ ही खराब स्ट्रीट लाईट को सुधारा जाए।

पर्यटकों की पहुंच तेज हुई हनुमानगढ़ी में

कोरबा। कटघोरा नगर की चकचकवा पहाड़ी पर स्थित हनुमानगढ़ी का आकर्षण शीत ऋतु में और भी निखर गया है। प्रकृति की हरीतिमा इस स्थान को पहले से ही लोकप्रिय बना चुकी है और अब नेशनल हाईवे पर इसकी स्थिति आने के साथ इसका दायरा और ज्यादा बढ़ता जा रहा है विभिन्न राज्यों के लोगों की पहुंच धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन के लिए यहां लगातार हो रही है।

हनुमान घड़ी नामक स्थान की प्राचीनता के बारे में स्पष्ट जानकारी तो नहीं है लेकिन स्थाई लोगों का कहना है कि जब से यह नगर अस्तित्व में आया है तब से यहां की भौगोलिक संरचना में हनुमानगढ़ शामिल है। कई प्रकार की चट्टानों की उपस्थिति में काफी ऊंचाई पर श्री राम और हनुमान के प्राचीन मंदिर हैं। यहां पर एक स्थान पर दो पैरों के निशान बने हुए हैं जिनके बारे में की बदलती है कि महाभारत काल में वनवास के समय भीम अपने भाइयों के साथ यहां पहुंचे थे। कोरबा जिला गठन के बाद इस स्थान को विकसित करने के लिए

काफी प्रयास किए गए कटघोरा में नागरिकों की एक समिति ने इस स्थान को पहचान देने के लिए जरूरी पहल की और इस दिशा में कई प्रकार से प्रयत्न किया कालांतर में अशोक अग्रवाल की कलेक्टर के रूप में पद स्थापना होने पर हनुमानगढ़ को नया स्वरूप देने के लिए कई प्रकार के काम कराए गए हनुमानगढ़ में श्री राम का भव्य मंदिर बनाया गया और शिव पंचायतन की भी व्यवस्था की गई कटघोरा अंबिकापुर मार्ग पर बाय पास के नजदीक पहाड़ी पर स्थित हनुमानगढ़ी समय के साथ एक विशिष्ट स्थान बन चुका है पहाड़ी से कटघोरा नगर और आसपास का नजारा लोगों को काफी आकर्षित करता है छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से कई प्रकार के कार्यों को करने की आवश्यकता यह यहां के लोग महसूस कर रहे हैं लोगों का कहना है कि पर्यटन की असीम संभावनाएं इस इलाके में मौजूद है इसलिए इस पर विचार करने के साथ विभिन्न कार्य क्रियान्वित कराया जाना चाहिए।

ढेलवाडीह खदान का निरीक्षण

कोरबा। आज एसईसीएल कोरबा एरिया के सेफ्टी सदस्यों ने ढेलवाडीह व सरायपाली खदान का निरीक्षण किया। खदान निरीक्षण करने के लिए दो अलग-अलग टीम तैयार की गई है। लेकिन इस बार सभी 10 सदस्य खदान निरीक्षण करने के लिए पहुंचे। टीम में शामिल अशोक सिंह, कृष्णा तिवारी, सुरेश श्रीवास, जी.राजेश, अशोक सूर्यवंशी मनीष सिंह सहित सभी सदस्य कल मानिकपुर खदान का भी निरीक्षण करेंगे। कल ही बगदेवा खदान का भी निरीक्षण होगा। इसके अलावा मानिकपुर में सेफ्टी पखवाड़ा का भी कल समापन है। इस कार्यक्रम में सेफ्टी सदस्य शामिल हो सकते हैं। खदान का निरीक्षण करने के बाद रिपोर्ट बनाकर प्रबंधन को सौंपेंगे।

आवश्यकता है

लक्ष्मी कॉलोनाईजर एण्ड डेव्हलपर्स चांपा के ब्रॉच आफिस कोरबा के लिए मार्केटिंग फील्ड हेतु सेल्स मैनेजर, सेल्स एक्जीक्टिव, आफिस असिस्टेंट युवक/युवतियों की आवश्यकता है।

अनुभवी को प्राथमिकता
वेतन योग्यतानुसार + इनसेंटिव

साक्षात्कार दिनांक : 24.11.2024, दिन- रविवार
समय : दोपहर 02 बजे से शाम 06 बजे तक
स्थान : श्री गणेश इन हॉटल
विशाल होण्डा के बगल, ट्रांसपोर्ट नगर कोरबा (छ.ग.)
संपर्क करें 9300222322, 9174501163

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com